सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 148 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 12 मार्च 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सुरंग हादसाः बचाव दल ने दुर्गंध का पता लगाया, रेस्क्यू ऑपरेशन में रोबोट तैनात

महबूबनगर। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में निर्माणाधीन एसएलबीसी सुरंग का एक हिस्सा धंसने से अंदर फंसे 7 लोगों का पता लगाने के लिए ऑपरेशन जारी है। बुधवार सुबह 7 बजे जिला कलेक्टर बी संतोष की देखरेख में रेस्क्यू ऑपरेशन फिर से शुरू हुआ।

इस बीच, केरल के विशेष जांच दल को संभावित मानव अवशेषों की पहचान करने के लिए सुरंग में भेजा गया है। दल ने कई स्थानों पर गंध का पता लगाया है, जिससे खुदाई को बढ़ावा मिला है। जिस क्षेत्र में गुरप्रीत सिंह का शव मिला था, उसकी फिर से जांच की जा रही है, क्योंकि बचावकर्मियों ने दुर्गंध का पता लगाया है. जिससे चिंता बढ़ गई है कि श्रमिकों के शव इस जगह पर मौजूद हो सकते हैं। इसके बाद बचावकर्मी सावधानी के साथ साइट से मलबा और मिट्टी हटा रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर एसएलबीसी (श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल) सुरंग के अंदर ऑपरेशन के लिए रोबोटिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। हैदराबाद स्थित अन्वी रोबोटिक्स की टीम ने ऑपरेशन के लिए रोबोट की तैनाती को सुविधाजनक बनाने के लिए संचार प्रणाली स्थापित करना शुरू कर दिया है। मंगलवार को कंपनी के प्रतिनिधि विजय और अक्षय रोबोटिक संचालन के लिए जरूरी उपकरण स्थापित करने के लिए लोको ट्रेन के माध्यम से सुरंग में प्रवेश किया. मास्टर रोबोट, कंप्यूटर और अन्य तकनीकी गियर कैंप कार्यालय में तैनात थे, जबकि बुधवार को तीन विशेष रोबोट साइट पर पहुंचने की उम्मीद है। इन रोबोट का उपयोग मिट्टी हटाने, मिट्टी की खुदाई, लोहे की कटाई और पत्थरों को तोड़ने के लिए किया जाएगा. इसके अलावा, सुरंग से मलबे को बाहर निकालने के लिए विशेष पाइपलाइनों की व्यवस्था की गई है।

एसएससीएल कर्मचारी की बेटी ने लगाई फांसीः कमरे में पंखे से लटकता मिला शव

कोरबा। कोरबा जिले में एक शादीशुदा महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रोशनी साहू (29) गेवरा कॉलोनी में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। मंगलवार को उसका शव बेडरूम में कपड़े के फंदे से लटकता मिला है। दीपका थाना क्षेत्र की घटना है। रोशनी साहू स्थ्रष्टरु गेवरा के इंटक नेता और वेलफेयर बोर्ड के सदस्य सीताराम साहू की बेटी है।

रोशनी की शादी तीन-चार साल पहले हुई थी। विवाह के एक साल बाद ही वह ससुराल से मायके आ गई थी। घटना वाले दिन रोशनी के परिजन पारिवारिक कार्यक्रम में गए थे। उनके पिता ने आखिरी बार दोपहर करीब 3 बजे फोन पर बात की थी। शाम को जब वे घर लौटे, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से पिछले दरवाजे से घर के अंदर आने पर उन्हें बेटी का शव पंखे से लटकता मिला। दीपका थाना प्रभारी प्रेम साहू ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और आगे की कार्रवाई जारी है। मृतक के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है।

एक और बड़ी उपलब्धिः कांगेर वैली नेशनल पार्क यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में हुआ शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कांगेर वैली नेशनल पार्क बस्तर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। यह राज्य का पहला स्थल है, जिसे यूनेस्को की सूची में स्थान मिला है। इस कैटेगरी में स्थान पाने वाला छत्तीसगढ़ का इकलौता साइट बना है। कहा जा रहा है कि, अब अगले साल नॉमिनेशन लिस्ट में जगह बनाने की कोशिश होगी। नॉमिनेशन लिस्ट में आने पर कांगेर वैली का स्थाई सूची में स्थान बन जाएगा। टेंटेटिव लिस्ट में नाम आने पर मंत्री ओपी चौधरी ने पोस्ट किया है और इसे प्रदेश के लिए ऐतिहासिक पल बताया है।

बता दें कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग भारत सरकार को इस सबंध में प्रस्ताव भेजा था। प्रबंधन ने प्रस्ताव भेज कर दावा किया है कि विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल करने के लिए यूनेस्कों द्वारा स्थापित 10 मापदंडों को राष्ट्रीय उद्यान पूरा करता है। इन मापदंडों में जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी और जैविक प्रक्रियाओं, असाधारण सार्वभौमिक मूल्य आदि शामिल हैं, जिन्हें यह राष्ट्रीय उद्यान पूरा करता है। अब कांगेर वैली के लिए खुशखबरी आई है। अब कांगेर वैली को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल कर लिया गया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा प्रदेश के लिए यह गौरव का पल

राष्ट्रीय उद्यान के प्रमुख वन्यजीव

इस राष्ट्रीय उद्यान में बाघ, तेंदुए, माउस हिरण, जंगली बिल्ली, चीतल, सांभर, भौंकने वाला हिरण, सियार, लंगूर, रीसस मकाक, सुस्त भालू, उड़ने वाली गिलहरी, जंगली सूअर , धारीदार लकड़बग्घा, खरगोश, अजगर, कोबरा, मगरमच्छ, मॉनिटर छिपकली और साँप, पहाड़ी मैना, चित्तीदार उल्लू, लाल जंगली मुर्गी, रैकेट-टेल्ड ड्रोंगो, मोर, तोते, स्टेपी ईगल, लाल स्परफॉवल, फाक्टा, भूरा टीटर, ट्री पाई और बगुला आदि पाए जाते हैं।

देश के 7 प्राकृतिक स्थल शामिल

यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल भारतीय प्राकृतिक स्थलों में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम (1985), मानस वन्यजीव अभयारण्य, असम (1985), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान (1985), सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल (1987), नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान,उत्तराखंड (1988, 2005), ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश (2014) व पश्चिमी घाट (2012) शामिल हैं।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी बोले- ऐतिहासिक पल

कांगेर वैली नेशनल पार्क बस्तर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल करने पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी खुशी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए इसे ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने लिखा है कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण। कांगेर घाटी की जैव विविधता व सुंदर जलप्रपात इसे अनमोल बनाते हैं।

जानिए अपनी कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को

यह राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़ के जगदलपुर एवं दरभा विकासखंड में लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है। इसे वर्ष1982 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था। यह राष्ट्रीय उद्यान मनभावन तीरथगढ़ जलप्रपात से प्रारम्भ होकर ओडिशा राज्य की सीमा से होकर बहने वाली कोलाब सबरी नदी तक विस्तृत है। इस राष्ट्रीय उद्यान के बीचोबीच कांगेर नदी प्रवाहित होती है, जिसके नाम पर इस राष्ट्रीय उद्यान का नाम पड़ा है। यह छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय उद्यान है जिसे युनेस्को की विश्व धरोहर की आस्थाई सूची में शामिल किया गया।

जैव विविधता व प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर

यह राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य, गुफाओं, झरनों एवं जलप्रपातों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। इस राष्ट्रीय उद्यान में ऊंचे पहाड़, गहरी घाटियां, विशाल पेड़ और मौसमी जंगली फूलों एवं वन्यजीवन की विभिन्न प्रजातियां पायी जाती हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में मिश्रित नम पर्णपाती प्रकार के वन जैसे- साल, सागौन , टीक और बांस आदि पाए जाते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान की सबसे लोकप्रिय पक्षी और छत्तीसगढ़ का राज्य पक्षी बस्तर मैना है। इस राष्ट्रीय उद्यान में ड्रिपस्टोन, फ्लोस्टोन तथा चूना पत्थर की गुफाएँ स्थित हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में तीन गुफाएं कुटुम्बसर, कैलाश और दंडक-स्टेलेग्माइट्स और स्टैलेक्टसाइट्स पायी जाती हैं।

मोबाइल चार्जर से घर में लगी भीषण आग, पल भर में सारा सामान खाक, जेवर व नगदी भी जल गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बैंकुंटधाम कैंप-2 वार्ड 32 के एक मकान में बुधवार को भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग मोबाइल चार्जिंग के कारण लगी है। जिस समय घर में आग लगी तब कोई भी घर पर नहीं था। पल भर में आग ने ऐसा रूप धरा कि घर का सारा सामान खाक हो गया। अलमारी में रखे कपड़े, जेवर व नगदी सहित रसोई का सारा सामान जल गया। घटना की सूचना के करीब आधे घंटे बाद फायरा ब्रिगेड पहुंचा और आग पर काबू पाया। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कैंप-2 बैकुंटधाम वार्ड 31 में निर्मला साहू के मकान में बुधवार सुबह 9:30 बजे भीषण आग लग गया। निर्मला साहू ने बताया कि

वह अपनी मां के साथ इस घर में रहती है। उसकी बेटी अपने मामा के साथ मंदिर गई थी और वह भी दूध लेने चली गई। उसकी मां सुबह 8 बजे काम पर चली गई थी। घर पर उसके भाई व उसका मोबाइल चार्जिंग पर लगा हुआ था। जब तक दूध लेकर निर्मला साहू वापस लौटती घर में आग लग चुकी थी। आसपास के लोगों की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया गया। आग बुझाने सीट को भी पत्थर मारकर तोड़ा गया। जब तक फायर ब्रिगेड पहुंचता उससे पहले निगम के टैंकर से आग बुझाने का प्रयास किया गया। लगभग 10 बजे फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा और आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया।

लाखों का सामान जलकर खाक

निर्मला साहू ने बताया कि अलमारी में रखे सारे कपड़े जल गए। अलमारी में कुछ कैश व सोने चांदी के जेवर भी रखे हुए थे। किचन का भी सारा सामान जल गया। आग लगने से लाखों के नुकसान का अंदेशा है। घटना के बाद आसपास काफी भीड़ भी जमा हो गई। निर्मला साहू ने बताया कि पत्थर से सीट तोड़ने के कारण आग बुझाने में मदद मिली। घटना की सूचना छावनी पुलिस को दे दी गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में की ट्रेन हाईजैक, बलूच लड़ाकों ने 30 सैनिक मारे, सेना के ऑपरेशन में 27 विद्रोही ढेर

पाकिस्तान आर्मी ने 214 में से 155 बंधक छुड़ाए

इस्लामाबाद ए.। पाकिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी ने मंगलवार को जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर उसे हाईजैक कर लिया। 24 घंटे से ज्यादा बीत चका है और अब तक सेना के ऑपरेशन में 27 विद्रोहियों को मारा जा चुका है। क्वेटा से पेशावर जा रही इस ट्रेन में 425 लोग सवार थे। इन पैसेंजर्स में पाकिस्तानी सैनिक और पुलिसवाले शामिल थे। इनमें से 214 को बंधक बनाया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सिक्योरिटी फोर्सेज ने 155 बंधकों को रिहा करा लिया है। बाकी की

रिहाई के लिए ऑपरेशन जारी है।

बीएलए ने बंधक बनाए गए पैसेंजर्स को युद्धबंदी कहा है और इनके बदले पाकिस्तान की जेल में बंद बलूच कार्यकर्ताओं, राजनैतिक कैदियों, गायब लोगों, लड़ाकों और अलगाववादी नेताओं की बिना शर्त रिहाई की मांग की है। इसके लिए बीएलए ने मंगलवार रात 10 बजे पाकिस्तान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। बीएलए का कहना है कि यह फैसला बदलेगा नहीं।

बलूचिस्तान के बोलान जिले में हुआ हमला

जाफर एक्सप्रेस मंगलवार सुबह 9 बजे क्वेटा से पेशावर के लिए चली थी। इसके सिबि पहुंचने का टाइम 1.30 बजे था। इससे पहले ही दोपहर करीब 1 बजे बलूचिस्तान के बोलान जिले के माशकाफ इलाके में हमला हुआ। इधर पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि सिक्योरिटी फोर्सेज ने कुछ यात्रियों को रिहा करा लिया है। कई लोगों को ट्रेन से उतारकर पहाड़ी इलाकों में ले जाया गया है।

रेड लाइट एरिया में छापा, आर्केस्ट्रा में काम के बहाने ले गए, दुर्ग से भी गई है पुलिस टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 3 दिन पहले बिहार के रोहतास जिले में स्थित रेड लाइट एरिया में छापेमारी के दौरान छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियां देह व्यापार के धंधे में लिप्त मिलीं। पुलिस ने सभी लड़कियों अपने कब्जे में लेकर वहां एक एनजीओ रखवाया है। इन सभी लड़कियों को लेने के लिए छत्तीसगढ़ के अलग-अलग थानों से पुलिस की टीम गई है। पुलिस की रेड में मिली 41 नाबालिग लड़कियों में तीन लड़कियां दुर्ग जिले की भी हैं। इनके

साथ एक नाबालिग लड़का भी है। जैसे ही इसकी जानकारी दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला को हुई उन्होंने एक टीम बिहार भेजने निर्देश दिया।

दुर्ग पुलिस की टीम रोहतास जाकर बच्चियों से मिल चुकी है। पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि उनके साथ कोई देह व्यापार नहीं कराया जा रहा था। वो लोग नाचने गाने का काम करते हैं। पैसा कमाने के लालच में उनके माता पिता ने खुद अपनी मर्जी से बिहार नाचने के लिए भेजा था। लड़कियों ने देहव्यापार करने या कराने से साफमना किया है। दुर्ग पुलिस की टीम अभी शासापुर पहुंची हैं। कल टीम रोहतास पहुंचेगी। वहां वो लोग रोहतास पुलिस औ महिला बालविकास विभाग की टीम की मदद से तीनों बच्चियों को अपनी सुपुर्दगी में लेकर दुर्ग लाएगी। ऐसा कहा जा रहा है कि टीम बच्चियों को लेकर 13 मार्च की रात तक पहुंच जाएगी।

9 मार्च को रोहतास जिले के नटवार थाना पुलिस ने नटवार बाजार में 2 डांसर ग्रुपों के ठिकाने पर छापेमारी की थी। दोनों ठिकानों से छत्तीसगढ़ से आई 41 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया। इनके साथ चार लड़कों को भी बरामद किया गया। पुलिस ने इस कार्रवाई में पांच लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहतास जिले की बाल कल्याण समिति ने सभी लड़कियों को बरामद किया। समिति ने बताया कि ज्यादातर लड़कियां गरीब परिवारों से हैं। इन लड़कियों के माता-पिता ने 30 से 50 हजार रुपए में अपनी बेटी का सौदा कर दिया था।

पहले इन्हें ऑर्केस्ट्रा में डांस करने के लिए लाया गया, फिर जबरन गलत काम करवाया जाने लगा। इससे होने वाली कमाई का कुछ हिस्सा लड़कियों के माता-पिता को भी भेजा जाता था। बिहार के रेड लाइट इलाके से रेस्क्यू की गई लड़कियां छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, दुर्ग समेत अन्य जिलों की हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस की कई टीमें रोहतास भेजी गई हैं।

रेड लाइट एरिया में मिली छत्तीसगढ़ की 41 बेटियां

श्रीकंचनपथ

गरीबी इससे तय नहीं होती कि परिवार की आमदनी कितनी है। बल्कि गरीबी इससे तय होती है कि क्या परिवार अपनी जरूरतों को पूरा कर पा रहा है। मेट्रो शहरों में 50-60 हजार रुपए महीना कमाने वाला भी गरीब हो सकता है जबकि इतनी रकम यदि कोई टीयर-2 या टीयर-3 शहर में कमा रहा हो तो उसकी गिनती उच्च मध्यमवर्ग में हो सकती है। गरीबी इससे भी तय नहीं होती कि क्या परिवार के सभी सदस्यों को भोजन मिल रहा है? यह तो जीवित रहने की बुनियादी जरूरत है। आज के दौर में गरीबी इससे तय होती है कि क्या माता-पिता अपने बच्चों को अच्छा स्कूल, ड्रेस, शूज़ और ढंग का स्मार्टफोन दिला पाते हैं। बाजारवाद के इस दौर में गरीब वो भी है जो महीने के 10-12 हजार रुपए कमाता है और वह भी जो महीने के 30-40 हजार कमाता है। बच्चों की जरूरतें बढ़ रही हैं, माता-पिता अपना पेट काटकर भी उनके शौक नहीं पूरे कर पा रहे। इसलिए जब कोई डांस पार्टी का संचालक उनके पास पहुंचता है कि उनके बेटी को डांसर बनाकर अपने ग्रुप में शामिल कर लेगा तो वह ना नहीं कर पाता। जब डांस पार्टी वाला उन्हें पेशगी रकम देता है तो ना कहना और भी मुश्किल हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, दुर्ग समेत कुछ अन्य जिलों के गरीब परिवारों के साथ। उन्हें बिहार के स्टेज शोज के बारे में बताया गया। यहां विवाह आदि समारोहों में नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। इसके लिए ओपन स्टेज डांसर्स की जरूरत होती है। लोग भले ही इसे अच्छी नजरों से न देखें पर यह भी बिहार की लोकसंस्कृति का हिस्सा है। इन डांस शोज के बारे में सभी को थोड़ा-बहुत पता भी है। इसलिए पेरेन्ट्स ने हां कर दी और पेशगी के 30-50 हजार रुपए लेकर बेटियों को उनके साथ रवाना कर दिया। इसके बाद भी समय-समय पर उनके पास बेटियों की कमाई का एक हिस्सा पहुंचता रहा। बिहार पुलिस की रेड में छत्तीसगढ़ की ऐसी 41 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया है। इन्हें लेने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की टीमें भी रवाना हो चुकी हैं। बिहार के रोहतास जिले की बाल कल्याण समिति के मुताबिक आरंभ में तो इन लड़कियों से डांस ही करवाया गया पर फिर ज्यादा रकम का लालच देकर इन्हें देह व्यापार में धकेल दिया गया। हालांकि लड़कियों ने ऐसे किसी आरोप से इंकार किया है। अब आगे यह होगा कि इन लड़कियों को उनके परिवारों को सौंप दिया जाएगा। क्या वे वापस उन्हीं परिस्थितियों में खुश या संतुष्ट रह पाएंगी? दरअसल, नाच गाकर लोगों का मनोरंजन करने का पेशा सदियों पुराना है। इंद्रसभा से लेकर आज के रईसों की पार्टियों में बॉलीवुड स्टार्स के परफार्म करने तक एक लंबी फेहरिस्त है। बेहतर होगा कि इस पेशे को सुरक्षित और मर्यादित करने के प्रयास किये जायें।

संपादकीय

भाषा के झगड़े को तूल

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है, यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा।

> जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की।

हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं।

व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक होने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं। दूसरे मुंबई हिन्दी फिल्मों का गढ़ है। जो दुनिया भर में देश की पहचान ही नहीं कायम करते हैं।

भाषा के झगड़े को तूल देने की जरूरत तो नहीं है मगर भैयाजी को भी अपना बयान सिर्फ इसीलिए वापस लेना पड़ा क्योंकि इससे मराठी भाषियों की भावनाएं आहत होने की आशंकाएं बढ़ रही थीं। मातृभाषाओं से प्रेम करने वाले भारतीय अपने देश की अखंडता और सहिष्णुता को भाषाई विभेद से बहुत ऊपर आंकते हैं। यही कारण है कि हम इतनी सारी बोलियों व भाषाओं को साथ लेकर चलते रहे हैं।

एआई और महिला सशक्तिकरण: डिजिटल युग में समानता की ओर बढ़ते कदम

सावित्री ठाकुर, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री

आज के इस तेज गति वाली 21वीं सदी में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नित नई संभावनाएँ उभर रही हैं, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों के माध्यम से। एआई न केवल महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के नए अवसर प्रदान कर सकता है, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी समान भागीदार बनाने में मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 समिट से लेकर वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम तक, हर मंच पर 'वूमेन-लेड डेवलपमेंट' को बढ़ावा देने की बात कही है। इसके तहत महिलाओं को केवल विकास का लाभार्थी ही नहीं बल्कि नेतृत्वकर्ता भी माना जा रहा है। एआई इस दृष्टि से कई प्रकार से देश की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा सकता है। चाहे रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना हो या शिक्षा एवं कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुगम बनाना, एआई हर क्षेत्र में अहम भूमिका निभा सकता है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में भी एआई महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की निगरानी के लिए एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स और मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं, जो महिलाओं के खिलाफ अपराधों को चिन्हित करने और उनके रोकथाम में मदद करेंगे। इसके अलावा, एआई-पावर्ड चैटबॉट्स कानूनी और सुरक्षा संबंधी सलाह देने में मददगार हो सकते हैं, जिससे महिलाएं किसी भी परिस्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। इन चैटबॉट्स का इस्तेमाल विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के पोर्टल पर भी किया जा सकता हैं जिससे महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के बारे में आसानी से पता चल सकें।

डेटा एनालिटिक्स की मदद से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। एआई संचालित डिजिटल वेरिफिकेशन के जरिए फ़र्ज़ी लाभार्थियों की पहचान कर जरूरतमन्द लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है।

एआई के उपयोग को लेकर 2018 में, भारत सरकार ने 'नेशनल स्ट्रैटेजी फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की शुरुआत की, जिसका मकसद कुछ खास क्षेत्रों में एआई के विकास को बढ़ावा देना था। वर्ष 2021 में, 'रिस्पॉन्सिबल एआई' पर एक ड्राफ्ट पेश किया गया, जिसमें नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दिया गया। इस नेशनल स्ट्रैटेजी को 'एआइ फॉर ऑल' की थीम पर तैयार किया गया है।

विगत वर्ष, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'मेकिंग एआई इन इंडिया' और 'मेकिंग एआई वर्क इन इंडिया' के विज़न पर चलते हुए 10,371.92 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ राष्ट्रीय स्तर के इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी थी। ये मिशन, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों और साझेदारियों के माध्यम से एआई नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक वृहद इकोसिस्टम स्थापित करेगा।

हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और फ्रांस की सह-अध्यक्षता में आयोजित पेरिस एआई शिखर सम्मेलन 2025 में एआई को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था, ताकि यह सभी वर्गों के लिए उपयोगी साबित हो सके। इसी संदर्भ में, एआई महिलाओं की सुरक्षा और लैंगिक हिंसा की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभा सकता है। एआई-आधारित निगरानी प्रणाली सार्वजनिक स्थलों पर लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ की घटनाओं की पहचान कर अपराधी को चिन्हित करने में मदद कर सकती है। साइबर सुरक्षा में एआई का उपयोग ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर बुलिंग जैसी समस्याओं से निपटने में किया जा सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित आपातकालीन अलर्ट सिस्टम महिलाओं को तुरंत सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और भी सुदृढ़ होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई का उपयोग भी महिलाओं के लिए वरदान साबित हो सकता है। हाल ही में स्वीडन में हुई एक क्लीनिकल स्टडी में पाया गया कि एआई आधारित मैमोग्राफी सिस्टम 29 प्रतिशत अधिक स्तन कैंसर के मामलों की पहचान कर सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स डॉक्टरों को जटिल बीमारियों की पहचान करने और उनके उपचार में मदद कर सकता है। खासकर, यह तकनीक हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर सकती है और संभावित जटिलताओं को रोकने में सहायक हो सकती है।

'विकसित भारत 2047' के विजन के तहत, भारत को एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक है। एआई न केवल महिलाओं के लिए नए अवसरों का सृजन कर सकता है, बल्कि उन्हें समाज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए सक्षम भी बना सकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एआई केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता है। यह तकनीक एक समावेशी और प्रगतिशील समाज की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसका उपयोग केवल आर्थिक या तकनीकी उन्नति तक सीमित न रहें, बल्कि इसे महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय तक सुगमता से पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी उपयोग किया जाए।

यूक्रेन पर डोनाल्ड ट्रंप का तेवर

अवधेश कुमार

यूक्रेन मोर्चे पर अंतिम समाचार यह है कि ब्रिटेन फ्रांस और यूक्रेन ने मिलकर एक युद्धविराम योजना बनाई है जिसे अमेरिका के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की बात मानें तो इस पर लगभग सहमति बन गई है। युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ 2 मार्च को शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्त्व दिया। ओवल ऑफिस यानी अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय से निकलने के बाद जेलेंस्की सीधे ब्रिटेन आए और प्रधानमंत्री स्टार्मर ने उन्हें गले लगाया और कहा कि उन्हें उनके देश का अटूट समर्थन प्राप्त है तो इसके पीछे तत्काल ट्रंप एवं दुनिया को एक संदेश देने की रणनीति है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस ढंग से यूक्रेन पर अपने तेवर दिखाए और पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो के साथ उनकी बहस हुई तथा जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया वह दुनिया में सबसे बड़ी हलचल मचाने वाली घटना बन गई।

अमेरिकी इतिहास की यह पहली घटना थी जब व्हाइट हाउस में दो नेताओं के बीच इस तरह बहस हुई, दोनों उंगली उठाते दिखे तथा किसी विदेशी मेहमान को वहां से बाहर निकालना पड़ा। प्रश्न है कि अभी आगे होगा क्या? ऐसा दिख रहा है कि यूरोप के ज्यादातर नेता इस समय जेलेंस्की के साथ है। हालांकि वर्तमान यूरोपीय नेता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल के परिणाम से आशंकित हैं और वे संतुलित आचरण की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सधे हुए वक्तव्य में कहा कि अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवत: एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम किया जाएगा और फिर उस पर अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें पुतिन पर विश्वास नहीं है, लेकिन ट्रंप पर विश्वास है और वह जब कहते हैं कि उन्हें शांति चाहिए तो हम मान कर चलते हैं कि वह यही चाहते हैं।

इसमें दो मत नहीं कि कोई समझौता स्थाई शांति की गारंटी होनी चाहिए। इसलिए स्टार्मर अगर कह रहे हैं कि हम अस्थाई युद्ध विराम का जोखिम नहीं ले सकते तो सामान्य तौर पर इसे असहमत होना कठिन है। एक बड़े समूह को ट्रंप का व्यवहार अटपटा और एकपक्षीय लग सकता है। धीरे-धीरे विश्व में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनका व्यवहार गलत नहीं है। एक समय यूक्रेन के प्रति विश्व की सहानुभूति थी और यह सच है कि अमेरिका और यूरोप की मदद के कारण पुतिन की युद्ध योजना पर तुषारापात हुआ। यूक्रेन जैसे छोटे देश को घुटनों पर लाना उनके लिए कठिन हो गया। किंतु पूरे काला सागर सहित क्रीमिया के क्षेत्र को देखें तो वहां लंबे समय से यूरोप की भूमिका के कारण ही स्थिति इतनी जटिल है कि उनका स्थाई निपटारा संभव नहीं।

सोवियत संघ जिन राज्यों को मिलकर बना उनमें ज्यादातर आज स्वतंत्र हैं, पर उनकी भौगोलिक सीमाएं खासकर समुद्र में और आसपास इतनी स्पष्ट नहीं है। न भूलिए कि प्रथम और द्वितीय युद्ध विश्व युद्ध के पीछे उसे क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताएं और राजनीतिक व्यवहार की बड़ी भूमिका थी। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बावजूद अमेरिका के समक्ष सोवियत संघ के दूसरी महाशक्ति के रूप में खड़ा होने के कारण थोड़ा संतुलन रहा तथा यूरोप के प्रमुख देशों ने आपस में भौगोलिक जटिलताएं खत्म कीं, राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाई। बावजूद न संपूर्ण यूरोप के लिए और न विश्व के लिए अस्थाई सुरक्षा और शांति सुनिश्चित हुई।

सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो और उसकी सेना कायम रही। अगर अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की ओर कदम आगे नहीं बढ़ाते तथा उसे हथियार नहीं देते तो पुतिन के लिए इस तरह आक्रमण करने का आधार नहीं बनता। शेष विषयों को छोड़ दें तो जेलेंस्की यह घोषणा कर देते कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेंगे तो भी शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं। सच यह है कि यूक्रेन-रूस युद्ध वियुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर चुका है। कई बार आपको शांति के लिए दबाव और अन्य बाध्यकारी दबावकारी कड़े भी कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसा लग रहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए ही ट्रंप ने इस स्तर कड़ा रुख अपनाया है।

जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्त्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्त्वाकांक्षाओं से अलग रखें। यूरोपीय देशों को भी समझना होगा कि पहले की तरह यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखकर वे कुछ समय तक आर्थिक लाभ पा सकते हैं, रूस और यूक्रेन भी दबाव में रह सकता है, लेकिन यह विश्व को बड़े संकट में फंसाने वाला भी साबित होगा।

यूरोपीय देशों में तत्काल सबसे ज्यादा सक्रिय ब्रिटेन और फ्रांस को भी अपनी शक्ति की सीमाओं का आभास होगा। अमेरिका के साथ यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था इतनी आबद्ध है कि वह इससे बिल्कुल अलग हटकर एकाएक नई सशक्त सुरक्षा प्रणाली उत्पन्न नहीं कर सकते। ब्रिटेन का तो नाभिकीय ढांचा तक अमेरिका के साथ अविच्छिन्न जुड़ाव है। उनको पूरी तरह अलग कर अमेरिका के विरु द्ध जाना इस समय असंभव लगता है। इसलिए उनके अंदर भी नये सिरे से मंथन चल रहा है। ट्रंप अड़े रहते हैं तो भविष्य में एक सहमतिकारक समझौता संभव है। कम से कम तत्काल विश्व के हित में होगा और आगे इस पर शांति की कोशिश हो सकती है।

सिर्फ तमाशबीन पार्टी बन कर रह गई कांग्रेस

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस पिछले एक दशक से ज्यादा समय से चुनाव हार रही है। लेकिन उससे पहले जब वह जीती और दो बार लगातार केंद्र में सरकार में रही तब भी उसका लोकप्रिय समर्थन अधिक नहीं था। जब वह कई राज्यों में सरकार में थी और केंद्र में भी उसकी सरकार थी तब भी कांग्रेस का जनाधार घट रहा था। कारण था भगवा रंग। वह भगवा, हिंदू विमर्श से बाहर होती गई।

हालिया महाकुंभ प्रायोजित मगर लोकप्रिय विमर्श था। उत्तर भारत के हर गांव, घर में पिछले दो महीने से सिर्फ महाकुंभ की चर्चा थी। लेकिन कांग्रेस कहीं भी उस चर्चा का हिस्सा नहीं बन पाई क्योंकि वह इस लोकप्रिय नैरेटिव से बाहर थी। कई दशक पहले से ऐसे ही थी लेकिन वास्तविक अर्थों में 1989 से कांग्रेस की गिरावट है। पिछली सदी के आखिरी एक दशक में दो लोकप्रिय विमर्श हुए थे। पहला, अयोध्या में राम मंदिर का आंदोलन और दूसरा पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण देने वाले मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करना। इन दोनों लोकप्रिय राजनीतिक विमर्शों में से कांग्रेस नदारद थी या फिर रिसीविंग एंड पर थी। यानी वह सबके हमले का निशाना बनी रही। हर तरफ से इन दोनों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया गया था।

हैरानी नहीं है जो पिछले साढ़े तीन दशक से ये ही दोनों नैरेटिव किसी न किसी रूप में भारतीय समाज और राजनीति दोनों को गाइड कर रहे हैं। पिछले 35 साल में मंदिर और मस्जिद का नैरेटिव स्थापित हुआ है और चला है या फिर आरक्षण का विमर्श चला है। इन 35 वर्षों में कांग्रेस 15 साल सत्ता में रही लेकिन न तो वह इन दोनों विमर्शों का हिस्सा बनी और न इसे बदलने के लिए उसने कोई वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा किया। सोचें, कांग्रेस के पास 1991 से 1996 तक का कैसा मौका था! उस समय वह चाहती तो मंदिर और आरक्षण यानी धर्म और जाति के राजनीतिक विमर्श को आर्थिक और विकास के विमर्श में बदल सकती थी। लेकिन उसने नहीं किया।

नरसिंह राव की सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को उदारीकरण के रास्ते पर लाकर बड़ा मौका दिया था। अगर कांग्रेस उनके साथ ईमानदारी से खड़ी होती तो सारे विमर्श बदल जाते। देश में उद्योग धंधे लगते, रोजगार और नौकरियों के नए अवसर बनते, भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शामिल होता लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। जो हुआ उसका आकार बहुत छोटा और रफ्तार बहुत धीमी रही। इसका कारण यह था कि कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने में लगे रहे। इसके लिए जरूरी था कि नरसिंह राव जो कर रहे थे उसको कमतर दिखाया जाए। इस चक्कर में कांग्रेस पार्टी मंदिर और आरक्षण की राजनीति करने वाली भाजपा व समाजवादी पार्टियों के साथ खड़ी हो गई। हालांकि वह उस विमर्श का हिस्सा भी नहीं बन सकी। सिर्फ तमाशबीन पार्टी बन कर रह गई।

छापा पड़ने से भी तो सवाल पैदा होते हैं

सुनील दास

राजनीति में सभी दलों के नेता चाहते हैं कि जनता के बीच उनकी छवि ईमानदार व काम करने वाले नेता की बनी रहनी चाहिए।क्योंकि जनता उसी नेता व पार्टी को पसंद करती है जो ईमानदारी को महत्व देती है, चुनाव जीतने में भी इस बात का बड़ा महत्व होता है।जिस नेता व पार्टी के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लग जाता है, वह जनता की नजर से उतर जाता है। सत्ता में कोई भी पार्टी रहे, उस पर भ्रष्टाचार के आरोप तो लगते ही हैं। बहुत ही कम सरकार के मंत्री ऐसे होते हैं जिन पर सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगते हैं।

जब रमन सिंह सरकार थी तो कांग्रेस ने सरकार पर कई तरह के आरोप लगाए थे, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। कांग्रेस नेताओं ने नान घोटाले का आरोप लगाया था, लेकिन कांग्रेस आरोप भर लगाती रह गई, न वह उसकी जांच करा पाई न ही रमन सिंह सहित किसी भाजपा नेता के यहां छापा मरवा सकी, न ही उनके समय किसी एजेंसी के पास ऐसा कोई सबूत था कि वह भाजपा के किसी नेता को गिरफ्तार करती।रमन सिंह के समय कांग्रेस रमन सिंह की साफ सुथरी छबि को खराब करने के लिए आरोप पर लगाती रही। राज्य की जनता ने कांग्रेस के आरोप पर कभी ध्यान नहीं दिया।

रमन सिंह को जनता ने 15 साल राज्य की सेवा करने का मौका दिया। रमन सिंह की सरकार हारी तो उसका कारण उनके राज्य में हुआ कोई भ्रष्टाचार नहीं था। माना जाता है कि रमन सिंह की सरकार तो इसलिए गई थी कि उन्होंने किसानों से किया वादा पूरा नहीं किया।रमन सिंह के सत्ता से हटने के बाद कांग्रेस चाहती तो रमन सिंह सरकार पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगाए थे, उसकी जांच करा सकती थी, रमन सिंह सहित भाजपा नेताओं को गिरफ्तार करा सकती थी लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी इस आधार पर तो यही माना जाता है कि कांग्रेस सरकार के पास भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं था इसलिए न तो जांच करा सकी और नही किसी भाजपा नेता को गिरफ्तार करा सकी।

इसके विपरीत कांग्रेस सरकार के जाने के बाद उन तमाम मामलों की जांच हो रही है जिसके आरोप भाजपा लगाया करती थी। चाहे कोल घोटाला हो, शराब घोटाला हो,महादेव सट्टा एप घोटाला हो। सभी मामले में छापे मारे जा रहे हैं, सबूत एकत्र किए जा रहे हैं, सबूत के आधार पर जांच हो रही है बताया भी जा रहा है कोई घोटाला कैसे किया गया है और कांग्रेस नेता और कांग्रेस नेताओं के खास लोग गिरफ्तार भी किए जा रहे हैं। कई लोगों को कई महीने जेल में रहने के बाद बेल मिल गई है तो कुछ लोगों के खिलाफजांच चल रही है उनके जेल जाने का वक्त आ गया है।

किसी नेता की गिरफ्तारी के लिए जांच एजेंसी के पास सबूत होना जरूरी है। जब उसके पास कोई सबूत होता है, कोई आधार होता है तो वह पहले नेता के घर छापा मारती है। छापे में कुछ और सबूत मिलते हैं तो नेता को पूछताछ के लिए बुलाया जाता है, पूछताछ में जब और सबूत मिलते हैं तो उसके पास गिरफ्तारी की जाती है। जब भी भ्रष्टाचार के मामले में किसी नेता से पूछताछ की जाती है,छापा मारा जाता है तो संबंधित पार्टी के लोग खुद ही जज बन जाते हैं और अपने नेता के बेगुनाह होने का फैसला सुनाने लगते हैं। किसी एक नेता से पूछताछ भर होने से वह चिल्लाने लगते हैं कि लोकतंत्र का चीरहरण हो रहा है, लोकतंत्र खतरे में हैं, संविधान खतरे में हैं। जांच एजेसी का दुरुपयोग कर पार्टी को बदनाम किया जा रहा है, नेताओं की छबि खराब की जा रही है।

नेता के समर्थक जांच एजेंसी की जांच का विरोध शुरू कर देते हैं। उसके घर के बाहर नारेबाजी शुरू कर देते हैं। वह जानते हैं कि उनकी नारेबाजी से जांच रुकने वाली नहीं है लेकिन अखबार में खबर तो छपेगी कि नेता के यहां जांच होने पर उनकी पार्टी के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था. यह सुनकर,पढ़कर उस नेता को अच्छा लगता है कि मेरी पार्टी के लोग मेरे साथ हैं। सब जानते हैं कि सरकारी एजेंसी किसी बड़े नेता के यहां यूं ही छापा नहीं मारती है, उसके पास कोई आधार होता है तब जाकर वह किसी बड़े नेता पर हाथ डालती है। किसी नेता के यहां छापा पड़ता है तो लोग य अनुमान भी लगाते हैं कि अब इस नेता की गिरफ्तारी होगी। क्योंकि गिरफ्तारी के पहले छापा मारा जाता है, यानी माना जाता है कि छापा पड़ा है तो अब गिरफ्तारी होगी।

भारत के आर्थिक विकास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की भूमिका

लव कुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने देश भर में कोयला, बिजली, सीमेंट और स्टील जैसे प्रमुख संसाधनों की आवाजाही को सुगम बनाकर भारत की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । 2003 में अपनी स्थापना के बाद से, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बिलासपुर में इस क्षेत्र का उद्घाटन किया था, तब से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे माल और यात्री दोनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है । बिलासपुर में मुख्यालय वाला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों में परिचालन करता है । यह केंद्रीय रूप से स्थित क्षेत्र कोयले के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है, जो इसके तत्काल भौगोलिक क्षेत्र से परे थर्मल पावर प्लांट और उद्योगों का समर्थन करता है । आवश्यक संसाधनों का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करके इस रेल्वे ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

हाल के वर्षों में, भारत के तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास और बिजली, सीमेंट, कोयला और इस्पात क्षेत्रों के विस्तार ने कच्चे माल के परिवहन की मांग को बढ़ा दिया है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने कोयले और अन्य खनिजों की आवाजाही का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए इस मांग को प्रभावी ढंग से पूरा किया है । यह देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने में सहायक रहा है । इस उपलब्धि के बावजूद, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और खनिज परिवहन क्षमता, विशेष रूप से कोयला में सुधार करने के लिए नए रास्ते तलाशना जारी रखता है । भारी माल ढुलाई के साथ-साथ यात्री यातायात में लगातार 5त्न की वृद्धि को प्रबंधित करने की चुनौती के बावजूद, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए यात्री सेवाएँ भी प्राथमिकता बनी हुई हैं । यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए त्यौहारों के मौसम में विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और मौजूदा ट्रेनों में अक्सर अतिरिक्त कोच जोड़े जाते हैं । निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए समय की पाबंदी में सुधार के प्रयास भी किए जा रहे हैं ।

अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सक्रिय रूप से अमृत भारत स्टेशन योजना को लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टेशनों का पुनर्विकास करना है । इस पहल के तहत बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है । बिलासपुर स्टेशन के परिवर्तन पर 392 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है, जिसमें बेहतर प्रवेश बिंदु, स्थानीय कला को एकीकृत करने वाली विरासत से प्रेरित वास्तुकला और सौर पैनल और वर्षा जल संचयन जैसी टिकाऊ सुविधाएँ शामिल हैं । स्टेशन पर 26 लिफ्ट और 26 एस्केलेटर होंगे, जिससे पहुंच में काफी सुधार होगा।

463 करोड़ के बजट के साथ रायपुर स्टेशन का पुनर्विकास, भविष्य की मेट्रो कनेक्टिविटी और बेहतर बस स्टेशन पहुंच के लिए प्रावधानों को एकीकृत करता है । विस्तारित पार्किंग सुविधाएं और दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाएं पुनर्निर्मित स्टेशन की मुख्य विशेषताएं हैं । 441 करोड़ की लागत से अपग्रेड किए जाने वाले दुर्ग स्टेशन में हेरिटेज थीम वाली डिजाइन, आधुनिक सुविधाएं और ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिक्रेशन की सुविधा होगी । इसका विस्तारित लेआउट यात्रियों के लिए अधिक सुविधा सुनिश्चित करेगा ।

इन प्रमुख केंद्रों के अलावा , दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 567 करोड़ के बजट से 46 अतिरिक्त स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर रहा है । रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर, भिलाई नगर, राजनांदगांव, गोंदिया और छिंदवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशन इस पहल का हिस्सा हैं । अमृत भारत स्टेशन योजना यात्रियों के अनुभव को बदलने का वादा करती है, जिसमें आधुनिक प्रतीक्षा क्षेत्र, सीसीटीवी कवरेज के साथ बढ़ी हुई सुरक्षा और बेहतर स्वच्छता सुविधाएं शामिल हैं । स्थायी प्रथाओं को अपनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के ज़रिए, यह योजना प्रगति और दक्षता के प्रतीक के रूप में भारतीय रेलवे की भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544 www.onlytds.com

खास खबर

दीदियों की होली में खुशियों का रंगः हर्बल गुलाल बेचकर कमाई तीन हजार 740 रुपये

दुर्ग। ग्राम पंचायत पुरई की महिलाओं द्वारा हर्बल गुलाल बनाने का कार्य किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूह की ये महिलाएं पारंपरिक रूप से होली के रंग तैयार करने के कार्य में लगी हुई हैं। ग्राम पंचायत पुरई की महिलाएं अब हर्बल गुलाल के रूप में न केवल होली के रंग बनाने में लगी हुई है, साथ ही आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं। इस समूह में लगभग 10-11 महिलाएं जुड़ी हुई हैं और इनकी मेहनत ने 100 किलो हर्बल गुलाल का उत्पादन किया। एक किलो गुलाल को 54 रुपये में बेचने के बाद इन महिलाओं ने कुल 3,740 रुपये का मुनाफा कमाया। यह प्रयास सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की कहानी भी बयां कर रही है। स्व-सहायता समूह की एक सदस्य, आयशा साहू, जो 12वीं कक्षा तक पढ़ाई कर चुकी हैं, ने इस परियोजना में अपनी भागीदारी को लेकर कहा कि उन्होंने 2 साल पहले ओम साई स्व-सहायता समूह से जुडने के बाद हर्बल गुलाल बनाना शुरू किया। पिछले साल उन्होंने इस काम से लगभग 6,000 रुपये की आमदनी की, और इस साल भी बेहतर परिणाम की उम्मीद है। अब अन्य महिलाएं भी इस प्रेरणा से रोजगार के क्षेत्र में जुड़ रही हैं और परिवार को आर्थिक मदद प्रदान कर रही हैं। महिलाओं का यह प्रयास सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं, बल्कि एक नई पहचान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है।

भारती कॉलेज शिकसा महोत्सव में वार्षिक कैलेंडर का महापौर ने किया विमोचन

दुर्ग। नगर पालिक निगम।भारती विश्वविद्यालय पोटिया रोड पुलगांव में कार्यक्रम में अतिथि के रूप में महापौर अलका बाघमार द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ पहुँचकर शिकसा कला व साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ का वार्षिक सम्मेलन शिकसा महोत्सव 2025 भारती विश्वविद्यालय पोटिया रोड पुलगांव में शिक्षा महोत्सव वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। धमधा नाका टोल प्लाजा के पास जिला देवांगन समाज द्वारा आयोजित जिला स्तरीय मां परमेश्वरी महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रूप शहर महापौर अलका बाघमार सम्मिलित होकर देवांगन समाज की इष्ट देवी मां परमेश्वरी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समाज एवं क्षेत्रवासियो की खुशहाली की कामना की।साथ ही समाज के उत्कृष्ट बच्चों, बुजुर्गो, महिलाओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महापौर अलका बाघमार ने कहा किसी भी समाज के उत्थान के लिए शिक्षा बहुत ज़रूरी है शिक्षित समाज से ही देश का विकास संभव है। वार्ड 40 साई मंदिर के पीछे चित्रगुप्त मंदिर में कायस्थ सभा द्वारा महिला दिवस सम्मान समारोह कार्यक्रम है शामिल होकर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कायस्थ समाज के पदाधिकारियों को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा आत्माविश्वास महिलाओं का सबसे बड़ा आभूषण,उन्होंने कहा कि एक सफल राष्ट्र की बुनियाद आत्मनिर्भर,सशक्त सुदृढ महिला ही होती है।

भिलाई में जल्द बनेगा स्केटिंग ट्रैक और स्वीमिंग पुल प्रियदर्शनी परिसर पर जगह चयनित, 7 करोड़ होंगे खर्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा के सुपेला स्थित प्रियदर्शनी परिसर में बहुत जल्द भिलाईवासी न केवल तैराकी का लुत्फ उठा सकेंगे बल्कि वर्षों से स्केटिंग ट्रैक के अभाव में सड़क और घर की छत पर प्रेक्टिस करने वाले बच्चों के लिए शानदार स्केटिंग ट्रैक भी तैयार होने जा रहा है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के अथक प्रयास का ही परिणाम है कि दो बड़ी ऐसी सौगात क्षेत्र के रहवासियों को एक वर्ष के भीतर मिलने जा रही है जिसके लिए न केवल तैराकी और रोल स्पीड स्केटर्स खिलाड़ी लंबे समय से मांग करते रहे हैं बल्कि समय समय पर कुछ जनप्रतिनिधियों ने इसके लिए एड़ी चोटी का जोर भी लगाया मगर इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में यह मांग केवल कागजों पर वर्षों से सिमटी पड़ी रही।

इसके बाद रिकेश सेन ने वैशाली नगर विधायक बनते ही शहर को सुंदर और व्यवस्थित करने के साथ ही ऐसी ही लंबित मांगों को सूचीबद्ध किया और क्रमशः एक के बाद एक विकास कार्यों पर विष्णुदेव साय सरकार की लगातार स्वीकृति प्राप्त कर उसे मूर्त रूप देने आज भी संकल्पित हैं। निजी संसाधनों से जहां उन्होंने राम नगर मुक्तिधाम प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिलवाई वहीं सूर्यकुण्ड के मुद्दे पर निज प्रयास से शानदार बैकुंठधाम गंगा घाट का निर्माण करवाया। उनके द्वारा विधानसभा में हाउसिंग बोर्ड के कंडम घोषित 724 आवास के रहवासियों के लिए मालिकाना हक, नवीनीकरण के अभाव में डेढ़ वर्ष से जमा पट्टा वापस दिलाने के आलावा फौजी नगर के खेल मैदान को उद्योग के लिए आबंटन जैसे मुद्दे पर ध्यानाकर्षण कराते हुए इनके समाधान के लिए ठोस पहल भी की गई है।

लगभग 2 करोड़ से तैयार होगा रोल स्केटिंग ट्रैक

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ के लिए स्केटिंग में सर्वाधिक नेशनल मेडल जीतने वाले दुर्ग भिलाई के खिलाड़ी करीब 20 वर्षों से रोल स्केटिंग ग्राउंड की मांग करते रहे हैं। स्केटिंग में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अमितेश मिश्रा को राज्य सरकार ने गुंडाधुर अवार्ड से भी नवाजा है लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में हर वर्ष सैकड़ों युवा रोल और स्पीड स्केटिंग के हुनर को इसलिए छोड़ गए क्योंकि भिलाई दुर्ग ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ में सर्वसुविधायुक्त स्केटिंग ग्राउंड अब तक नहीं है।

विधायक रिकेश सेन ने स्केटिंग ट्रैक की आवश्यकता को गंभीरता से न केवल महसूस किया बल्कि 13 फरवरी 2025 को दुर्ग जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद् की बैठक में स्केटिंग ट्रैक की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए इसके लिए प्रोजेक्ट भी पेश किया। नतीजतन दुर्ग की तात्कालिक कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने 28 फरवरी को 1 करोड़ 96 लाख 76 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की नतीजतन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के द्वारा एक वर्ष के भीतर इस लागत से प्रियदर्शनी परिसर में शानदार स्केटिंग ट्रैक का निर्माण किया जाना सुनिश्चित हुआ है?।

तैराकों के लिए 5 करोड़ से बनाया जाएगा स्वीमिंग पुल

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बताया कि स्केटिंग ट्रैक के अभाव में जिस तरह खिलाड़ी सड़कों पर प्रैक्टिस करने विवश थे वहीं तैराकी में भी हमारे खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ के कुछ निजी संस्थानों के पूल का रूख करना पड़ता था। सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ साथ कहीं न कहीं इच्छाशक्ति का भी अभाव देखने को मिला नतीजतन भिलाईवासी और तैराक खिलाड़ी लंबे समय से एक शानदार स्वीमिंग पूल के लिए तरसते रहे हैं। दुर्ग जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद् की बैठक में 13 फरवरी को मैंने स्केटिंग ट्रैक के साथ ही एक सर्वसुविधायुक्त मार्डन स्वीमिंग पूल निर्माण के प्रोजेक्ट को प्रमुखता से पेश किया था। इन जरूरतों पर विचार मंथन के बाद इसकी महती आवश्यकता पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मैंने भिलाई वासियों के लिए इस दूसरी जरूरत को प्रतिपादित किया था परिणामस्वरूप तात्कालिक कलेक्टर ऋचा प्रकाश ने 4 करोड़ 97 लाख 74 हजार रूपये के स्वीमिंग पुल निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति 28 फरवरी को दी।

एक साल में पूरा हो जाएगा निर्माण

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा के हृदय स्थल सुपेला के प्रियदर्शनी परिसर में लगभग 7 करोड़ की लागत से स्वीमिंग पूल और स्केटिंग ट्रैक का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि दोनों ही कार्यों के लिए 365 दिन का समय तय किया गया है। प्रोजेक्ट इस्टीमेट के अनुरूप दोनों ही कार्य प्रशासकीय स्वीकृति अनुरूप निश्चित की गई राशि से ही तय समय सीमा के भीतर होने हैं। अगर निर्माण कार्य में बजट अनुमान अनुरूप राशि कम पड़ेगी तो पुनः संशोधित स्वीकृति ली जा सकेगी। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के लिए ये दोनों प्रोजेक्ट भी बहुत अहम हैं। स्वीमिंग पूल और स्केटिंग ट्रैक तैयार होने से रोल एवं स्पीड स्केटिंग खिलाड़ियों को प्रैक्टिस में जहां सुविधा मिलेगी वहीं स्वीमिंग पूल होने से तैराकी में हमारे खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर वैशालीनगर भिलाई सहित छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करेंगे।

नव निर्माण समिति नेहरू नगर फेस-2 में उमरपोटी के नवनिर्वाचित सरपंच विजेन्द्र साहू का स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उमरपोटी के नवनिर्वाचित सरपंच विजेन्द्र साहू का समिति के सदस्यों ने भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर समिति के सदस्यों ने संस्था के कार्यशैली अवगत कराते हुए अन्य समस्याओं से रूबरू कराया। बता दे कि एन.एन.एस. की स्थापना नवम्बर 2022 को सात सदस्यों द्वारा किया गया। इसके प्रमुख संस्थापक माखनलाल वासनिक, श्याम सुंदर, संतोष डांगे, रात्रे, जोशी जी थे। समिति द्वारा विगत कार्यो में गणेश पूजा, होली, दीवाली और नव वर्ष का कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया।

सदस्यों के प्रयास से सड़क 3 में कांक्रीट सड़क का निर्माण किया गया। इस प्रकार पुनः 3 वर्ष बाद नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। समिति का उद्देश्य है कि सदस्यों के परिवार का आपसी सुख-दुख का संबंध। सभी त्यौहारों को उत्साह के रूप में मनाया जाना। सामाजिक एकता की भावना जागृत करना। पर्यावरण की रक्षा करना। अपनी आवासीय क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था हेतु प्रयास करना। युवाओं को शिक्षा हेतु मार्गदर्शन सहित जनहित में कार्य करना। मार्च माह की मीटिंग में अधिकांश सदस्यों की उपस्थिति में आपसी चर्चा हुई।

साथ ही नवनिर्वाचित विजयी सरपंच विजेन्द्र साहू उमरपोटी का स्वागत सदस्यों ने फूलों की गुलदस्ता द्वारा किया गया। इसमें सदस्य माखन लाल वासनिक, प्रदीप कौशिक, सत्येन्द्र देवांगन, राजेन्द्र जोशी, रूमेश, पत्ते, पैकरा जी, सोहन चन्द्राकर एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित थे। साथ ही साथ एन.एन.एस. द्वारा होली त्यौहार मनाने का निर्णय लिया गया और भविष्य में विकास कार्य हेतु योजना बनाई जा रही है।

दुर्ग निगम के पार्षदों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही, विधायक गजेन्द्र यादव रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर विधानसभा से दुर्ग नगर निगम के पार्षदो ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा का भ्रमण किया। इस दौरान पार्षदो ने विधानसभा की कार्यवाही को नजदीक से देखा और संसदीय प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त किये। भ्रमण के दौरान पार्षदो ने विधानसभा परिसर दर्शक दीर्घा, पुस्तकालय तथा केबिनेट मंत्री कक्ष पहुँचे और उनसे सौजन्य मुलाकात कर विभागीय कार्यों की जानकारी लिए।

नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से पार्षदो ने विधायक संग भेंट कर राज्य की राजनीति, विधायी प्रक्रिया और उनके महत्व के बारे में जानकारी लिए। उन्होंने सभी पार्षदो को अपने क्षेत्र में कार्य के साथ-साथ समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से उनके कक्ष में मुलाकात कर सभी तस्वीर लिए और मंत्री से कार्य करने मार्गदर्शन प्राप्त किये। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने दुर्ग निगम के पार्षदो को विधानसभा में बजट सत्र, मानसून सत्र और शीत सत्र में होने वाले कार्यवाही की जानकारी दिए। इसके पश्चात् जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप के कक्ष पहुंचकर उनसे भी मुलाकात किये। इसके पूर्व भी विधायक गजेन्द्र यादव ने दुर्ग विधानसभा के विभिन्न समाज और कार्यकर्त्ताओ को विधानसभा सत्र की कार्यवाही से अवगत कराये।

इस अवसर पर दुर्ग निगम के पार्षदो ने कहा कि यह भ्रमण उनके लिए सीखने और अनुभव प्राप्त करने का अनूठा अवसर था। इससे उन्हें राज्य की राजनीतिक संरचना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गहराई से समझने में मदद मिलेगी। विधायक गजेन्द्र यादव ने विधानसभा भ्रमण के दौरान प्रश्नकाल में सवाल पूछने और आने की प्रक्रिया, ध्यानाकर्षण में जनता के मुद्दों को सदन में रखने की जानकारी साझा किये।

विधायक गजेन्द्र यादव ने दुर्ग निगम के निर्वाचित पार्षदो को विभिन्न केबिनेट मंत्री से मुलाकात कराये और उनके विभाग से संबंधित होने वाले कार्य की विधिवत जानकारी दिए इस मुलाकात को पार्षदो ने बेहद प्रेरणादायक बताया और भविष्य में पुनः कार्यवाही देखने की इच्छा जताई।

विधानसभा भ्रमण के दौरान सभापति श्याम शर्मा, पार्षद कुलेश्वर साहू, कांशीराम कोसरे, कमल देवांगन, मनीष साहु, चंद्रशेखर चंद्राकर, सरस निर्मलकर, खालिक रिजवी, गुड्डू यादव, शिव नायक, नंद कसेर सहित अन्य पार्षदगण उपस्थित रहे।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के प्रयासों से क्षेत्र में बनेगा उच्च स्तरीय पुल- पुलिया

अंजोरा, भरदा, भानपुरी चिरपोटी, अंडा, निकुम के मार्गों पर बनेगा उच्च स्तरीय पुल-पुलिया बजट में स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की पहल पर दुर्ग ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में उच्च स्तरीय पूल पुलिया व सड़क बनाने साय सरकार ने अपनी बजट में राशि का प्रावधान कर जनहित में बड़ी सौगात दिए है। विष्णुदेव साय सरकार के दूसरे बजट में दुर्ग जिला अंतर्गत दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम अंजोरा, भरदा, भानपुरी, चिरपोटी, अंडा, निकुम में पुल पुलिया बनाने व जंजगीरी, कुथरेल, निकुम, विनायकपुर बोरसी हनोदा , डूमरडीह , मोरीद सोमनी, पहुंच मार्ग सड़क बनाने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की मांग को वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सहज स्वीकारते हुए दुर्ग ग्रामीण में जनहित के विकास कार्यों बजट में शामिल किये है।

दुर्ग जिला अंतर्गत दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में बजट में स्वीकृत उच्च स्तरीय पूल पुलिया निर्माण जिसके अंतर्गत चिंगरी आलबरस मार्ग मे तांदुला नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 400.00 लाख रुपए,नगपुरा करेला मार्ग (कटनी के पास) पर शिवनाथ नदी उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 2125.00 लाख रुपए, अंजोरा, चंगोरी भरदा मार्ग पर शिवनाथ नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित 1736,00 लाख रुपए, भानपुरी, कोकड़ी मार्ग में नाला पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 378.00 लाख रुपए चिरपोटी,कातरो मार्ग में नाला पर उच्च स्तरीय पुल मय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि.850.00 लाख रूपये के अंडा निकुम मार्ग पर तांदुला नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 9395.00 लाख रूपये रूदा से धीरी मार्ग के किमी 1/4 में शिवनाथ नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 300.00 लाख रुपए जंजगिरी पहुंच मार्ग लं. 2.00 कि.मी का निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि,206.77 लाख रूपये, कुथरेल से भानपुरी पहुंच मार्ग उन्नयन एवं निर्माण कार्य लं. 4.20 कि.मी कार्य अनुमानित लागत राशि 658.32 लाख रूपये। विनायकपुर से खप्परवाड़ा पहुंच मार्ग का उन्नयन एवं निर्माण कार्य लं. 4.00 कि.मी कार्य अनुमानित लागत राशि 600.00निकुम से मासाभाट पहुंच मार्ग का उन्नयन कार्य एवं निर्माण कार्य लं. 4.00 कि.मी कार्य अनुमानित लागत राशि 3171.54 लाख रूपये। जिला दुर्ग के ग्राम निकुम विनायकपुर अंडा मार्ग लं. 13.40 किमी के चौडीकरण, मजबूतीकरण कार्य

जिला दुर्ग के बोरसी हनोदा, कोकड़ी पाउवारा मार्ग लं 9.50 किमी कार्य अनुमानित लागत राशि 3836.95 लाख रुपए। डुमरडीह, डुंडेरा, मोरीद, सोमनी मार्ग लं. 12.475 किमी कार्य अनुमानित लागत राशि 4616.00 लाख रुपए।कार्यों की सौगात मिला है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं व वित्त मंत्री ओ.पी चौधरी के समक्ष हमारे क्षेत्र में पुल पुलिया की समस्याओं को अवगत कराया था उसको सहजता स्वीकार करते हुए क्षेत्र में उच्च स्तरीय पूल पुलिया निर्माण कार्य के लिए बजट में स्वीकृति मिली है, जो हमारे क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है यह परियोजना न केवल हमारे क्षेत्र की सड़कों को सुधारने में मदद करेगी, बल्कि यह हमारे निवासियों के जीवन को भी आसान बनाएगी।

हमारे क्षेत्र के विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है, पुल - पुलिया बन जाने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी, और इसका सीधा प्रत्यक्ष लाभ जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में समाज के सभी वर्ग को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। प्रदेश की जनता की प्रगति और खुशहाली और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का बजट है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

नाम निर्देशन शुल्क प्रदेश पद के लिये 31000 व जिला पद हेतु 15000

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिवराज भंसाली के हस्ताक्षरयुक्त चेम्बर चुनाव-2025 के अंतिम मतदाता 27480 की सूची का प्रकाशन सोमवार को चेम्बर कार्यालय चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में किया गया। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारीगण प्रकाशचंद गोलछा, बालकृष्ण दानी, रमेश गांधी, महावीर तालेड़ा, अनिल कुचेरिया,संजय देशमुख, एच.एस.कर, एस.एम.रावते प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

निर्वाचन अधिकारी श्री गोलछा ने बताया कि चेम्बर कार्यकारिणी की बैठक 23 जुलाई 2024 में स्वीकृत सदस्यों को मत देने एवं 4 वर्ष पुराने सदस्यों को चुनाव लडने् की पात्रता होगी, जिसके अंतर्गत सदस्यता क्रमांक 00001 से 35339 तक के सदस्यों को चुनाव लडने् की पात्रता एवं सदस्यता क्रमांक 00001 से 46189 तक के सदस्यों को चुनाव में मत देने की पात्रता होगी। मतदाता चेम्बर के वेबसाइट 222.ष्द्ष्द्धड्डद्वड्ढद्गह्ल.श्ह्द में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। चेम्बर चुनाव में प्रदेश पद-अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष हेतु नाम निर्देशन शुल्क रूपये 31000 एवं जिला पद- उपाध्यक्ष एवं मंत्री हेतु 15000 रुपये निर्धारित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अनुकृति ओझा साल्वे हुईं सम्मानित

रायपुर। राजधानी रायपुर की समाजसेवी संस्था लाहोटी मित्र मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्थानीय वृन्दावन सभागार में सुयश महिला प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अनेक महिलाओं को सम्मानित किया गया. इनमें अनुकृति ओझा साल्वे भी शामिल थीं, जिन्हें नृत्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. मनोज लाहोटी, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. अध्यक्षता डा. श्वेता लाहोटी ने की. इस अवसर पर सविता जग्गी, रविन्द्र सिंह, नन्द कुमार वर्मा, धर्मेंद्र दुर्धा, हीरानंद दुल्हानी, राजेश बरलोटा, राजेंद्र सेठिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था के संरक्षक छबिलाल सोनी द्वारा दिया गया. लक्ष्मीनारायण लाहोटी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कलेक्टर ने दिया राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा में शामिल होने का आमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने शिक्षार्थियों को राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा में सम्मिलित होने हेतु न्योता दिया। ऐसे सभी शिक्षार्थी जिन्होंने साक्षरता कक्षा में 200 घंटे प्रवेशिका के 7 अध्याय की पढ़ाई पूर्ण की है को यह निमंत्रण दिया गया।

यह परीक्षा राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा का आयोजन 23 मार्च 2025 दिन रविवार को होगी। इसका समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक शिक्षार्थियों के सुविधानुसार चिन्हांकित केंद्रों में आयोजित की जा रही है। महापरीक्षा में शिक्षार्थियों को शत प्रतिशत सम्मिलित करने हेतु कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने सभी को परीक्षा में सम्मिलित होकर सफ्ल होने हेतु शुभकामनाएं दी।

सभी अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय आना सुनिश्चित करें-डॉ गौरव सिंह

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने समय सीमा की बैठक ली। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय समय पर पहुंचे। बॉयोमेट्रिक अटेंडेस सिस्टम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए। विलंब से कार्यालय आने वाले पर तथा समय से पहले कार्यालय छोड़ने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होने कहा कि राजस्व के लंबित प्रकरण का जल्द समाधान करें। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय आने जनता से सद्व्यवहार करें उनके समस्याओ को संवदेनशीलता से सुने और जल्द समाधान करने का प्रयास करें। डॉ सिंह ने कहा कि पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए, 70 वर्ष से अधिक आयु वाले हितग्राहियों को चिन्हिंत लाभ प्रदान करें। इसके लिए अभियान चलाकर कार्य करें। इस अवसर पर डीएफओ लोकनाथ पटेल नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ सिंह की अध्यक्षता में नेशनल ट्रस्ट कमेटी की हुई बैठक

नेशनल ट्रस्ट अंतर्गत लोकल लेवल कमेटी की बैठक का आयोजन आज डॉ कलेक्टर गौरव सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसके अंतर्गत गार्जियनशिप प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु दो प्रकरणों पर चर्चा की गई जिसमें आवेदिका विनीता मरकले को उनके भाई विवेक पद्माकर मुरकी का लीगल अभिभावक नियुक्त करने के लिए सहमति दी गई। द्वितीय प्रकरण में कविता ओगरे द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपने पति पंकज ओगरे का लीगल गार्जियनशिप के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया जिस पर सहमति दी गई। बैठक में सदस्य के रूप में राजकुमार शुक्ला, श्रीमती सिम्मी श्रीवास्तव, श्याम सुंदर रैदास संयुक्त संचालक समाज कल्याण एवं श्रीमती विनीता शर्मा उपस्थित थे।

निगम की कार्रवाई: गंदगी और डस्टबिन न रखने पर 141 स्थानों से वसूला गया 87,720 का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग, स्वच्छ भारत मिशन शाखा, सभी 10 जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों के मार्गनिर्देशन में प्रतिदिन तेजी से तैयारियां निरंतरता से प्रगति पर हैं।

नागरिकों के मध्य लगातार सफाई को लेकर जनजागरण किया जा रहा है। वहीं गन्दगी और कचरा फैलाने वालों पर और दुकानों में डस्टबिन नहीं रखे जाने पर सम्बंधित लोगों पर चेतावनी देकर जुर्माना लगातार किया जा रहा है। इसके तहत नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग और जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत सफ्फ़ाई को लेकर जनजागरण करते हुए विगत दिवस नगर निगम के सभी 10 जोनों के बाजार क्षेत्रों में गन्दगी फैलाने पर विभिन्न 112 स्थानों पर सम्बंधित लोगों से कुल 74820 रुपये का जुर्माना उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए किया है, वहीं 29 दुकानों में निरीक्षण के दौरान डस्टबिन नहीं मिलने पर सम्बंधित 29 दुकान संचालकों से कुल 12900 रुपये का जुर्माना उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देकर वसूला गया है।

इस प्रकार गन्दगी फैलाने और डस्टबिन नहीं रखने पर सम्बंधित कुल 141 स्थानों पर नगर निगम स्वास्थ्य

विभाग की टीमों द्वारा कुल 87720 रुपये का जुर्माना किया गया है। वहीं नगर निगम जोन 10 के क्षेत्र के अंतर्गत डुमरतराई में शुभम के मार्ट द्वारा बाजू के खाली प्लाट में गन्दगी फैलाये जाने की शिकायत पर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही ने सम्बंधित स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में आकस्मिक स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गन्दगी से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत स्थल पर सही मिली। इसे गंभीरता से लेते हुए निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही ने भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए शुभम के मार्ट के सम्बंधित प्रबंधक पर तत्काल 20 हजार रुपये का जुर्माना किया।

10 दुकानों से 35 किलो प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत रगड़े के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के मार्गनिर्देशन में जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण मण्डल क्षेत्रीय कार्यालय के वैज्ञानिक मानिक चंदेल, उप अभियंता एस। के। चौधरी, निगम जोन 4 सहायक अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर एवं जोन 4 स्वास्थ्य विभाग और नगर निवेश विभाग के सम्बंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति में पुलिस प्रशासन बल के सहयोग से राजधानी शहर रायपुर के गोलबाजार में समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से दुकानों में प्रतिबंधित पॉलीथिन की आकस्मिक जाँच और निरीक्षण किया। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान गोलबाजार की 10 दुकानों से लगभग 35 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन को जप्त कर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जोन 4 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने सम्बंधित दुकान संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए कुल 12900 रुपये का जुर्माना किया है। अभियान आगे भी सतत जारी रहेगा।

रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय त्वचा रोग निदान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में त्वचा रोगों पर एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 180 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों ने वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि राव से परामर्श प्राप्त किया।

शिविर का उद्देश्य विभिन्न त्वचा रोगों के लिए समाधान और उपचार मार्गदर्शन प्रदान करना था। डॉ. राव ने प्रतिभागियों से बातचीत की और त्वचा रोग, वेनेरोलॉजी, कॉस्मेटोलॉजी और कुष्ठ रोग पर विशेषज्ञ सलाह दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक चिकित्सक की सेवा अक्सर दवा से अधिक प्रभावशाली होती है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा दिमाग को विकसित करती है, लेकिन सेवा हृदय को विकसित करती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ज्ञान को सामाजिक कल्याण के लिए व्यावहारिक रूप से लागू किया जाना चाहिए।

सत्र के दौरान, डॉ. राव ने कई सामान्य त्वचा संबंधी चिंताओं को संबोधित किया, जिनमें शामिल हैं: त्वचा रंजकता के कारण: प्रकाश संवेदनशीलता, त्वचा की उम्र बढ़ना, हार्मोनल परिवर्तन और पोषण संबंधी कमियाँ। उन्होंने प्राकृतिक, मौसमी खाद्य पदार्थों के साथ एक समग्र पोषण दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। विटिलिगो: एक पुरानी ऑटोइम्यून बीमारी जो त्वचा पर सफेद धब्बे पैदा करती है, जिसे सामयिक दवाओं, प्रकाश चिकित्सा, सर्जरी और सौंदर्य प्रसाधनों के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है। डॉ. राव ने कुष्ठ रोग जागरूकता और उपचार के क्षेत्र में महात्मा गांधी और ज्योतिबा फुले के सामाजिक योगदान को भी जिक्र किया।

शिक्षाविद ने केंद्र और राज्य शासन से शिक्षा व्यवस्था में सुधार की रखी मांग

वर्तमान शिक्षा प्रणाली विकृति पैदा करने वाली, नई में लक्ष्य व्यवहार जैसी किताबों को शामिल करने से होगा सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिक्षाविद और एचएससीएल के सेवानिवृत्त अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे ने नई शिक्षा नीति में और अधिक सुधार की मांग की है। उन्होंने वर्तमान, पुरानी और प्राचीन शिक्षा व्यवस्था के अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने इसे लेकर 12 से ज्यादा ऐसी किताबों को नई शिक्षा प्रणाली में शामिल किए जाने की मांग की है। उन्होंने लक्ष्य, लोक व्यवहार, बड़ी सोच का बड़ा जादू, सोचें और अमीर बनें, अवचेन मन की शक्ति, रहस्य, रिच डेड पुअर डेड, कैश फ्लो क्वार्डट, कॉपी कैट मार्केटिंग, प्रॉब्लम ऑफ पाइपलाइन, लोक व्यवहार, क्या आपका डॉक्टर पोषक तत्वों के बारे में जानता है, आदर्श स्वास्थ्य जैसी बहुमूल्य किताबों का अवलोकन किया है। ये किताबें नई शिक्षा व्यवस्था में खासा बदलाव ला सकती हैं। इन पुस्तकों को पढ़ना अति आवश्यक है। इसे स्कूल, कॉलेज के पढ़ाई के कार्यक्रम में समाहित करना अति आवश्यक है।

सकरात्मक सोच विकसित करने किए जाएं निरंतर प्रयास

श्री दुबे ने अपने ज्ञापन में कहा कि सकरात्मक सोच विकसित करना वर्तमान

समय की जरूरत है। समाज में इतनी नकरात्मकता फैल रही है. इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसके लिए 10 वाक्य ऐसे हैं, जिन्हें दिन में कम से कम 20 बार 90 दिनों तक दोहराना चाहिए। इसमें में सबसे अच्छा हूँ मैं इसे कर सकता हूं में स्वस्थ और मजबूत हूँ, अनुशासिक और जवाबदेह हूं। जीवन में मिली हर चीज के लिए में आभारी हूं, जीवन में जो भी हो रहा है, उसके लिए में ही जिम्मेदार हूं, आज का दिन मेरा दिन हहै। ईश्वर मेरे साथ है. मैं एक बेहतर इंसान बन रहा हूं। मैं महत्वपूर्ण व्यक्तियों की संगत कर रहा हूं।

ज्वलंत विषयों को जानना आवश्यक

श्री दुबे ने का कि कुछ ऐसे ज्वलंत विषय है, जिनके बारे में देश के हर व्यक्ति को जानना चाहिए। इसमें वर्ष 1947 में अखिल भारतीय कांवोस के प्रथम अध्यक्ष और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के चयन की वैधानिकता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने अंग्रेजों से आजादी किन शों में स्वीकार की, पाकिस्तान का बंटवारा, जम्मू कश्मीर में धारा 370 और 35 लागू किया जाना, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पीओके क्यों बना, कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) में ले जाया जाना, आजादी के बाद भी अंग्रेजों की मेकाले की शिक्षा प्रणाली को लागू किया जाना, संविधान में भारतवासियों को एक नामकरण भास्तीय न देकर अलग-अलग नामों में बांटा जाना, समानता के अधिकार के स्थान पर समाज के हर क्षेत्र, वर्ग में भेदभाव का प्रावधान, आरक्षण का प्रावधान, जन प्रतिनिधि राजनेता के लिए योग्यता का पैमाना, सरकारी नौकरी की तरह जनप्रतिनिधि, राजनेता, संवैधानिक पद के लिए चरित्र प्रमाण पत्र की अनिवार्यता क्यों नहीं, कानून तोड़ने वालों को कानून बनाने का अधिकार जैसे विषय शामिल है।

एजुकेशन सिस्टम से उठते सवाल, इनका जवाब जरूरी

श्री दुबे ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के सामने कई प्रश्न है, जिनका जवाब किसी के पास नहीं है। आप बच्चों को क्या पढ़ा रहे हैं, क्या बच्चों की सोच बन रही है। समाज और देश के लिए हम क्या कर रहे हैं, निम्न स्तर की घटनाएं आखिर क्यों हो रही हैं। वर्तमान शिक्षा प्रणाली आखिर क्यों व्यावसायिक और पेशेवर प्रशिक्षण दे रही है, इंसानी गुणों का विकास क्यों नहीं हो रहा। शिक्षा का प्रयोजन क्या है, जबकि टेक्नोलॉजी हर काम में सक्षम होते जा रही है। दुबे ने कहा कि शिक्षा रोजगारोन्मुखी न होकर जीवनोपयोगी होनी चाहिए। उन्होंने जिन किताबों का जिक किया है, उनमें इस तरह के कई सवाल खड़े हो रहे हैं, इसका जवाब हर नागरिक के लिए आवश्यक है। इसलिए नई शिक्षा प्रणाली में ऐसी किताबों को समाहित करना आवश्यक है। इस दिशा में प्रयास हो. तो हम अपनी संस्कृतिक और समाज को बेहतर कल दे सखेंग। अन्यथा हमारा पतन लगातार होते जाएगा।

आयुक्त ने डुमरतराई सब्जी बाजार, पुरैना तालाब, न्यू राजेन्द्र नगर और काशीराम नगर में सफाई व्यवस्था देखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों का नगर निगम जोन 10 क्षेत्र के तहत डुमरतराई सब्जी बाजार पुरैना तालाब, न्यू राजेन्द्र नगर, काशीराम नगर में सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए जानकारी लेकर स्थल समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

आयुक्त ने निर्देशित किया कि नगर निगम रायपुर क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियां अच्छी तरह से की जाये एवं इस हेतु कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जाये। आयुक्त विश्वदीप ने अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, जोन 10 कमिश्नर राकेश शर्मा , उपायुक्त डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, जसदेव सिंह बाबरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिशन रधुमणी प्रधान, जोन 10 कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता स्वच्छ भारत मिशन योगेश कडु, जोन सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल सहित जोन 10 के संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न स्थानों का जोन 10 क्षेत्र में अवलोकन करते हुए जोन कमिष्नर एवं सहायक राजस्व अधिकारी से बडे भवनों एवं परिसरों, व्यवसायिक क्षेत्रों में करारोपण हुआ है अथवा नहीं की जानकारी ली। आयुक्त ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत राजस्व वसूली दिये गये लक्ष्य के अनुरूप निगम हित में हर हाल में सुनिश्चित करने का कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये।

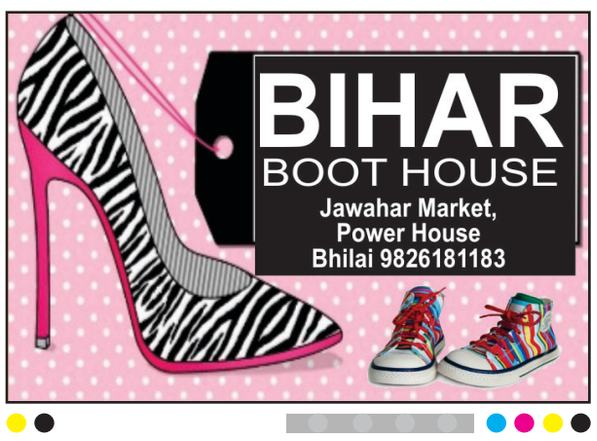

साड़ी में कहर बरपाती दिखीं तमिल की हसीना यशिका आनंद

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री यशिका आनंद अक्सर अपने हॉट और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। भले ही एक्ट्रेस इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर फैंस को अपने हुस्न का कायल बनाती रहती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस यशिका आनंद हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस यशिका आनंद जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीर और वीडियोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

हालिया शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने लैवेंडर कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसके सीक्वेन्स में उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है। गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है। बता दें कि यशिका आनंद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

कन्नप्पा से काजल अग्रवाल की पहली झलक आई सामने

काजल अग्रवाल की अपकमिंग तेलुगू पौराणिक ड्रामा 'कन्नप्पा' से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर आउट हो चुका है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्टर को शेयर करते हुए उसे अपना ड्रीम रोल बताया। पोस्टर में काजल मां पार्वती के किरदार में नजर आईं।

'कनप्पा' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया और अभिनेत्री ने भी अपने प्रशंसकों को इस लुक से रूबरू कराया। पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए काजल अग्रवाल ने लिखा, वाकई एक ड्रीम रोल! 2025 की शुरुआत करने की खुशी है कन्नप्पा, हर हर महादेव। माता पार्वती। काजल अग्रवाल की पोस्ट पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कमेंट करते हुए लिखा, बहुत खूबसूरत।

वहीं, पोस्टर में अभिनेत्री देवी पार्वती के रूप में खूबसूरत लग रही हैं। पोस्टर में अभिनेत्री ने सुनहरे बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी है। उनके लुक को सुनहरे नेकपीस के साथ मैचिंग इयररिंग्स, चूड़ियों और मांग-टीका के साथ पूरा किया गया है। उनके बाल खुले रखे गए और उनमें गुलाबी रंग का फूल लगा हुआ है।

'कन्नप्पा' के निर्देशक मुकेश कुमार सिंह हैं और निर्माण मोहन बाबू ने 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के सहयोग से अपने बैनर एवीए एंटरटेनमेंट के तहत किया है। फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे, जबकि मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, कौशल मंडा, राहुल माधव, देवराज, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, रघु बाबू, प्रीति मुखुंधन, मधु, मोहनलाल, प्रभास और अक्षय कुमार भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगे। फिल्म में अक्षय कुमार कैमियो किरदार में नजर आएंगे। 'कन्नप्पा' अक्षय कुमार की पहली तेलुगू फिल्म है।

स्टीफन देवसी ने फिल्म के लिए गाने और बैकग्राउंड स्कोर को तैयार किया है। 'कन्नप्पा' की शूटिंग देश के कई हिस्सों के साथ ही न्यूजीलैंड में भी की गई है। 'कन्नप्पा' इस साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक में शामिल हुईं हुमा कुरैशी

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है। वह डेढ़ बीघा जमीन, बोस डेड/अलाइव और भक्त जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

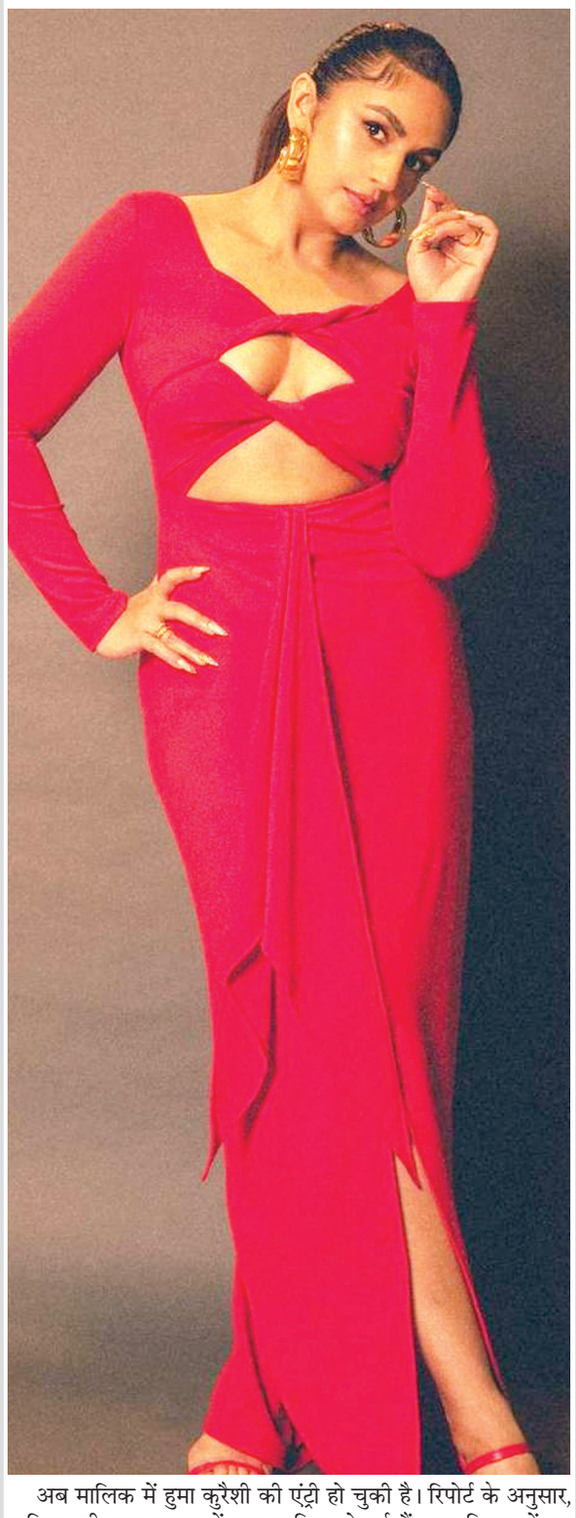

अब मालिक में हुमा कुरैशी की एंट्री हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, मालिक की स्टार कास्ट में हुमा शामिल हो गई हैं। इस फिल्म में वह मेहमान (कैमियो) भूमिका निभाती नजर आएंगी। कहा जा रहा है कि राजकुमार की फिल्म में हुमा एक खास गाने पर डांस करती दिखाई देंगी। अपने हिस्से की शूटिंग उन्होंने 2024 में कर ली थी।

बता दें कि साल 2022 में आई फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग के बाद मालिक राजकुमार और हुमा के बीच दूसरा सहयोग है। यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें राजकुमार एक खूंखार गैंगस्टर की भूमिका में दिखने वाले हैं। फिल्म में उनका अनदेखा अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

गौरतलब है कि इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का पहला पोस्टर पिछले साल राजकुमार के 40वें जन्मदिन पर रिलीज किया गया था।

फिल्म जाट से रणदीप हुड्डा का खूंखार लुक जारी, सनी देओल से दो-दो हाथ करेंगे रणतुंगा

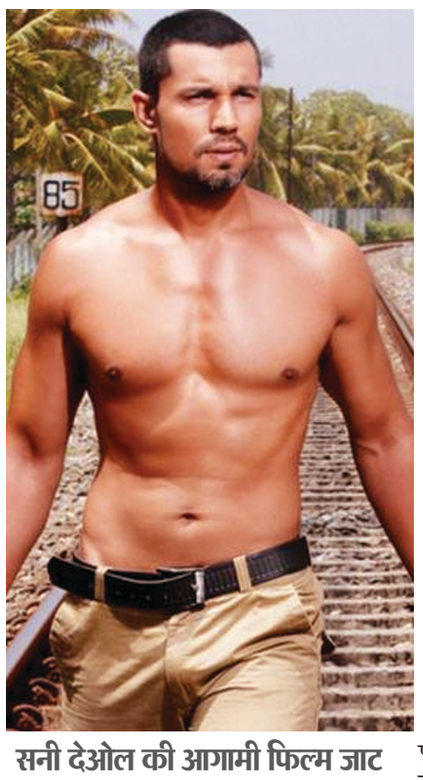

सनी देओल की आगामी फिल्म जाट सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म से बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा का खतरनाक लुक जारी किया है, जिसमें रणदीप का किरदार काफी उग्र दिखाया गया है। लुक के साथ मेकर्स ने रणदीप के किरदार के नाम का भी खुलासा किया है।

मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर रणदीप हुड्डा के किरदार की झलक साझा की है। साथ ही उनके किरदार के नाम से पर्दा उठाया है। क्लिप को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, जाट की दुनिया से खतरनाक राणातुंगा के रूप में शानदार रणदीप हुड्डा को पेश किया जा रहा है। जाट के साथ एक बेदर्द मुठभेड़ के लिए स्टेज तैयार है। 10 अप्रैल को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज।

वीडियो की शुरुआत पुलिस स्टेशन में बैठे रणदीप हुड्डा से होती है। वह कहते हैं, मुझे मेरा नाम बहुत प्यारा है। इसके बाद वीडियो में रणदीप का एक शानदार शॉट दिखाया जाता है, जिसमें वह बारिश में बाहर बैठे हैं और वह अपने सिर को जूट के थैले से ढके हुए हैं। वह एक सिगरेट जलाते हैं, जो उनके उग्र अवतार को दर्शाता है।

जैसे-जैसे सीन सामने आता है, उनका किरदार एक ऐसी ताकत में बदल जाता है, जिसका सामना करना मुश्किल होता है। वह पूरी तरह से खूंखार अवतार में नजर आते हैं। चाकू के साथ लिया गया शॉर्ट काफी दमदार है। यह सीन दिखाता है कि वह आगे आने वाली किसी भी चुनौती के लिए तैयार है। इसके बाद रणदीप अपने किरदार के नाम से पर्दा उठाते हैं और बताते हैं कि उनका नाम राणातुंगा है।

रणदीप हुड्डा का ये उग्र अवतार उनके फैंस को काफी पसंद आया है। एक फैन ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा है, वाह हुड्डा वाह जाट। कई यूजर्स ने फिल्म को ब्लॉकबस्टर बताया है। फैंस ने इस पोस्ट को लाल दिल और आग वाले इमोजी से भर दिया है।

एक्शन फिल्म जाट को गोपीचंद ने डायरेक्ट किया है। एक्शन कोरियोग्राफी अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने की। फोटोग्राफी के डायरेक्ट के रूप में ऋषि पंजाबी हैं। एडिटिंग नवीन नूली ने किया है, जबकि प्रोडक्शन डिजाइन अविनाश कोला ने किया है। इस फिल्म में सनी देओल अहम भूमिका में नजर आएंगे। एक्शन से भरपूर यह फिल्म 10 अप्रैल को महावीर जयंती के मौके पर रिलीज होगी। इसी दिन केजीएफ स्टार यश की टॉक्सिक और प्रभास की द राजा साहब भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

नीना गुप्ता की आचारी बा का ट्रेलर जारी, 14 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर होगी स्ट्रीम

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता को पिछली बार अनुपम खेर के साथ फिल्म कागज 2 में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब नीना जल्द ही फिल्म आचारी बा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी, जिसके निर्देशक की कमान हार्दिक गज्जर ने संभाली है।

आइए बताते हैं आप यह फिल्म कब और कहां देख पाएंगे। आचारी बा का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। नीना की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, बा की रेसिपी: सपने, हिम्मत और ढेर सारा मसाला। यह फिल्म 14 मार्च, 2025 ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के उपलब्ध होगी। नीना के अलावा इस फिल्म में मानसी राछ, कबीर बेदी, वत्सल शेठ और वन्दना पाठक जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।

आचारी बा के अलावा नीना फिल्म वध 2 में नजर आएंगी। यह 2022 में आई फिल्म वध का सीक्वल है। इसमें संजय मिश्रा भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। जसपाल सिंह संधू और राजीव बर्णवाल इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। वध की कहानी एक मासूम जोड़ी की है, लेकिन दोनों को मजबूरन एक ऐसा अपराध करना पड़ा है, जिसकी वे खुद भी कल्पना नहीं कर सकते।

बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए, जरूर जाने

बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। अगर बच्चे सही से सोते हैं तो उनका दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है और उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वह एक्टिव भी रहते हैं। हालांकि, कई माता-पिता यह नहीं जानते कि उनके बच्चों को दिन में कितनी देर सोना चाहिए। क्योंकि बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को कम या ज्यादा समय तक सुलाते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से कितनी देर सोना चाहिए। खबर के माध्यम से जानते हैं कि बच्चों को कब और कितनी देर तक सोना चाहिए।

बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार से कितनी देर सोना चाहिए

नवजात शिशु (0-3 महीने): नवजात शिशुओं को भरपूर नींद की जरूरत होती है। उन्हें दिन में 14 से 17 घंटे सोना चाहिए। यह नींद सिर्फ दिन और रात में ही आती है, और सिर्फ थोड़े समय के लिए। नवजात शिशु जितना ज्यादा सोते हैं, वे उतने ही स्वस्थ होते हैं।

शिशु (4-12 महीने)

इस उम्र के बच्चों को 12 से 16 घंटे की नींद लेनी चाहिए। दिन में 2 से 3 बार छोटी-छोटी झपकी लेना जरूरी है। अच्छी नींद बच्चों के तेज़ी से विकास में मदद करती है।

छोटे बच्चे (1-2 वर्ष)

बच्चों को प्रतिदिन 11 से 14 घंटे सोना चाहिए। इस उम्र में दिन में उचित नींद लेना आवश्यक है। इस उम्र के बच्चों को भी अधिक नींद की जरूरत होती है।

प्रीस्कूलर (3-5 वर्ष)

इस आयु के बच्चों को 10 से 13 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। इस आयु में कई बच्चों को दिन में नींद आना कम हो जाता है। हालांकि, पर्याप्त नींद लेना महत्वपूर्ण है।

स्कूल जाने वाले बच्चे (6-12 वर्ष)

इन बच्चों को प्रतिदिन 9 से 12 घंटे सोना चाहिए। आपको रात को जल्दी सोने और सुबह समय पर उठने की आदत डालनी चाहिए। इससे बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

किशोर (13-18 वर्ष)

किशोरों को कम से कम 8-10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। इस उम्र में पढ़ाई और मोबाइल फोन के कारण नींद प्रभावित होती है। इसलिए, स्क्रीन समय को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इस उम्र के बच्चों को टीवी, मोबाइल, टैब या लैपटॉप के साथ ज्यादा समय नहीं बिताना चाहिए।

बच्चों की अच्छी नींद के लिए महत्वपूर्ण टिप्स

सोने और जागने के लिए एक विशेष समय निर्धारित करें। सोने से पहले मोबाइल फोन, टीवी और वीडियो गेम से दूर रहें। रात को हल्का एवं पौष्टिक भोजन दें। सोने से पहले कोई कहानी सुनाएं या कोई आरामदायक गतिविधि करें। कमरे का माहौल शांत और आरामदायक बनाएं। कई बार बच्चे आंतरिक समस्याओं के कारण ठीक से सो नहीं पाते। यदि नवजात शिशु जोर-जोर से चिल्ला रहा है और सो नहीं पा रहा है, तो माता-पिता को अपने बच्चे को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

ग्रामीणों और किसानों को खेतों के बचे पैरा को न जलाने करे जागरुक-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभाग अंतर्गत चल रहे विभागीय कामकाज की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यों तथा प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों सहित अन्य आवश्यक कार्यों की विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों और किसानों को अपने खेतों के बचे पैरा को आग न जलाने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए । साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा सभी विभागों में आमजनता से प्राप्त आवेदनों तथा समय सीमा के लंबित प्रकरणों का विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुवे तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए है।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सहकारिता विभाग अंतर्गत सहकार से समृद्धि कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम पंचायतों को सहकारी समिति से आच्छादित करने के कार्यों की साप्ताहिक प्रगति की जानकारी ली तथा कार्ययोजना अनुसार तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर द्वारा छोटे कटेकोनी में आरआईडीएफ योजना अंतर्गत कार्यालय सह गोदाम निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुवे तेजी से निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जनपदवार प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति, मनरेगा के कार्य, जीओ टैगिंग, डोर टू डोर कचरा संग्रहण आदि के बारे में जानकारी ली तथा सभी कार्यो को गुणवत्तापूर्ण और सुव्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य के साप्ताहिक प्रोग्रेस की जानकारी ली गई और शेष बचे आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य को तेजी से कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सिकल सेल एनीमिया एलिमिनेशन मिशन,चिरायु योजना सहित स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत चल रहे अन्य कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुवे आवश्यक निर्देश दिए है। कलेक्टर द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत भवन विहीन आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्यात्मक जानकारी, स्मार्ट आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने की प्रक्रिया करने सहित विभाग अंतर्गत चल रहे अन्य कार्यों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने कृषि विभाग से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, ई केवायसी, लैंड सीडिंग, आधार सीडिंग आदि के साप्ताहिक प्रगति की जानकारी लेते हुवे आवश्यक निर्देश दिए है। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत स्वीकृत आवास, अप्रारंभ आवास, प्रगतिरत आवास, अपूर्ण आवास, पूर्ण आवास व प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध अब तक किए गए कार्यों की जानकारी विस्तारपूर्वक ली। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा बैठक में पेंशन प्रकरण, जल जीवन मिशन के कार्य आदि की भी जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर द्वारा सहकारिता विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों, प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियो को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों का किया समीक्षा

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने समस्त राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली तथा राजस्व अधिकारियों को विभिन्न राजस्व कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए द्य बैठक में कलेक्टर द्वारा राजस्व विभाग अंतर्गत अविवादित नामांतरण, विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर तोपनो ने तहसीलवार निराकृत प्रकरण, लंबित प्रकरण, समय सीमा के बाहर के प्रकरण, समय सीमा के भीतर के प्रकरण सहित अन्य विभिन्न राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए है। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को जिले के सभी राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का तेजी से तथा उचित रूप से निराकरण करने के निर्देश दिए है। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत एवं लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्रता से प्रारंभ कराने के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को दिए। साथ ही उन्होंने नियद नेल्लानार योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज सुबह 10.30 बजे से आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकाय निर्वाचन एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से निष्पादित कराए जाने पर सभी अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात उन्होंने नियद नेल्लानार योजना के तहत चयनित ग्रामों में अब तक हुए विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए नर्सिंग स्टॉफ नियुक्त करने, हैलीपेड निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने, इन ग्रामों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों का समायोजन करने तथा जिला निर्माण समिति एवं जिला खनिज न्यास निधि के अधीन स्वीकृत सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण के लंबित कार्यों को अविलंब शुरू कराने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। भवन निर्माण के 502 स्वीकृत में से 235 कार्य पूर्ण नहीं होने पर असंतोष प्रकट करते हुए कलेक्टर ने इसमें तेजी लाने व अप्रारंभ कार्यों को जल्द शुरू कराने के निर्देश संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ को दिए। 25 हजार 851 प्रकरणों में से 23 हजार 681 हितग्राहियों को प्रथम किश्त और 10 हजार 840 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त जारी की जा चुकी है।

महिला समूहों के सशक्तिकरण हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे- जिला सीईओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के ग्राम भानबेड़ा में महिला शक्ति संकुल संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी उपस्थित थीं। उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने उपस्थित समूह के महिला सदस्यों से चर्चा करते हुए ज्यादा से ज्यादा लखपति दीदी बनने एवं सशक्तिकरण पर विशेष प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान उन्होंने ज्योति स्वसहायता समूह की सक्रिय सदस्य श्रीमती दुलेश्वरी गौर से उनकी आजीविका संबंधी गतिविधि की जानकारी ली। समूह के सदस्य ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद सिलाई का कार्य व मुर्गीपालन का कार्य कर आजीविका प्राप्त कर रही हैं। भानबेड़ा की सुरभि स्व-सहायता समूह के सदस्य सविता कदम ने बताया कि वे समूह से जुड़ने के पश्चात् सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं, साथ ही कृषि व लाख उत्पादन जैसे गतिविधि कर आजीविका उपार्जन कर रही है। इसी तरह ग्राम भैंसाकन्हार से मछलीपालन कर रही सरस्वती दीदी से चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ से सी.एल.एफ के पदाधिकारी द्वारा भवन की मांग की गई, जिस पर उन्होंने भवन की मांग को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। साथ ही समूहों को सशक्त बनाने विशेष रूप से प्रयास करने की बात कही।

इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हेमन्त ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती झरना ध्रुव, स्थानीय सरपंच श्रीमती ममता ठाकुर सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने अरपा सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने किसानों को विभिन्न विभागों की योजनाओं और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उत्पादों के विपणन के लाभ के लिए एक ही पहचान पत्र बनाने की योजना के तहत राजस्व, कृषि एवं सहकारिता विभाग को समन्वय से 31 मार्च तक जिले के सभी कृषि भूमि धारक का कृषि भूमि पहचान पत्र एवं फार्मर आईडी बनाने के निर्देश दिए। इसके लिए कार्य योजना बनाकर सभी ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित करने, मुनादी कराकर शिविर लगने की जानकारी देने तथा शिविर में किसानों की उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में की जा रही विभिन्न गतिविधियों के दौरान भी किसानों का कृषि भूमि पहचान पत्र एवं फार्मर आईडी बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान सभी जनपद सीईओ को मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण कर निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवासों को 31 मार्च तक पूर्ण कराने और स्वीकृत हो चुके अप्रारंभ आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने कहा। उन्होंने मनरेगा के तहत बन रहे शासकीय उचित मूल्य दुकानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों को 31 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत नेवसा, सारबहरा, कुदरी, बारीउमराव, मरवाही एवं गुल्लीडांड़ में निर्मित हो रहे फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) एवं प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीडब्ल्यूएमयू) में शीघ्रता से विद्युत कनेक्शन के लिए कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने स्कूली बच्चों का आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, अपार आईडी, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति अभियान के तहत मध्यान्ह भोजन एवं नेवता भोज, सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सिकलिंग जांच कराने के साथ ही मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना की जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने डिलेवरी आर्डर करने के बाद उपार्जन केन्द्रों से धान उठाव में तेजी लाने और मिलिंग के बाद राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों में लक्ष्य के अनुरूप चावल जमा कराने, जलशक्ति अभियान के तहत चल रहे कार्यों कों शीघ्र पूर्ण करने, सभी शासकीय भवनों में अनिवार्य रूप से रैन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने, ई-ऑफिस क्रियान्वयन के तहत सभी शासकीय सेवकों का एनआईसी से मेल आईडी बनाने, डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री जनशिकायत, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीएमओ पोर्टल, ई-समाधान सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जनशिकायतों एवं जनसमस्याओं का निराकरण त्वरित रूप से करने और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा लाभ की पात्रता नहीं होने पर आवेदक को कारण सहित सूचना देने के निर्देश दिए। बैठक में वनमण्डलाधिकारी रौनक गोयल, अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, संयुक्त कलेक्टर दिलेराम डाहिरे सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

दंतेवाड़ा के जैविक कृषक अपनाएंगे एआई तकनीक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले के जैविक किसान अब अपनी खेती में आधुनिकतम तकनीक का उपयोग कर खेती को अधिक उत्पादक और कुशल बनाएंगे। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों और कृषि अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस कार्यशाला में फसल निगरानी से लेकर आपदा प्रबंधन तक में एआई तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि 'सैटेलाइट इमेजिंग' और 'ड्रोन एआई' तकनीक के माध्यम से फसल की स्वास्थ्य स्थिति, मिट्टी की गुणवत्ता और पानी की आवश्यकता का सटीक विश्लेषण किया जा सकता है। दंतेवाड़ा जिले में एआई तकनीक का यह प्रयोग न केवल किसानों की आय में वृद्धि करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के बेहतर उपयोग में भी मील का पत्थर साबित होगा।

एआई आधारित मॉडल के माध्यम से फसलों में रोग और कीटों की पहचान कर समय पर समाधान किया जा सकेगा। एआई आधारित सिस्टम मिट्टी की नमी और मौसम की स्थिति के आधार पर स्वचालित सिंचाई को नियंत्रित करेगा, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। यील्ड प्रेडिक्शन एआई मॉडल' के माध्यम से ऐतिहासिक डेटा और मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर फसल उत्पादन का सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। एआई बाजार की मांग और कीमतों का विश्लेषण कर किसानों को फसल बिक्री के लिए बेहतर मार्गदर्शन देगा। बुवाई, निराई, कटाई और छंटाई जैसे कार्यों में एआई आधारित 'रोबोट्स' का उपयोग श्रम लागत को कम करने में सहायक होगा।

एआई के जरिये पशुओं के स्वास्थ्य और व्यवहार की निगरानी कर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकेगा। कार्यशाला में बताया गया कि एआई तकनीक जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में भी कारगर है, जिससे बाढ़ और सूखे जैसी आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर किसानों को समय पर सतर्क किया जा सकता है।

इस अवसर पर जिला प्रशासन से अलका महोबिया, सूरज पंसारी (उपसंचालक, कृषि), आकाश बढ़वे (भूमगादी संचालक), मीना मंडावी (सहायक संचालक, उद्यान), केवीके के सहायक संचालक धीरज बघेल, भोले लाल पैकरा सहित 150 से अधिक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि मित्र, जैविक कार्यकर्ता एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

चिरायु टीम के प्रयास ने अपेक्षा को दी नई जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। ग्राम झालखम्हरिया की 8 साल की नन्ही अपेक्षा साहू की जिंदगी अचानक एक ऐसे मोड़ पर आ गई, जहाँ हर पल मौत की परछाईं उसका पीछा कर रही थी। उसके मासूम बचपन पर ब्लड कैंसर के एक दुर्लभ प्रकार एक्यूट प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया (एपीएमएल) ने गहरा असर डाला। महीनों से चला आ रहा बुखार, शरीर पर उभरते चकत्ते और पीलापन किसी गंभीर खतरे का संकेत दे रहे थे। जब स्वास्थ्य विभाग की चिरायु टीम को उसकी हालत का पता चला, तो बिना देरी किए उसे एम्स रायपुर ले जाया गया, जहाँ विस्तृत जांच के बाद उसकी बीमारी की पुष्टि हुई।

इलाज की शुरुआत कीमोथेरेपी से हुई, लेकिन यह जितनी जरूरी थी, उतनी ही खतरनाक भी साबित हुई। पहली ही खुराक के बाद उसके शरीर ने गंभीर प्रतिक्रिया दी, अचानक दौरे पड़ने लगे, मस्तिष्क में रक्तस्राव (सीवीए) हो गया, और उसका बायाँ हिस्सा अर्ध-पक्षाघात (हेमिप्लेगिया) से प्रभावित हो गया। यह सब देखकर उसके माता-पिता का दिल बैठ गया। उन्हें लगा कि अब कुछ भी ठीक नहीं हो सकता, और उन्होंने इलाज बीच में ही रोकने का फैसला कर लिया।

लेकिन यही वह क्षण था जब चिरायु टीम ने उम्मीद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने माता-पिता को समझाया कि यह लड़ाई अधूरी छोड़ देना ही असली हार होगी। उनकी काउंसलिंग और हौसले के चलते अपेक्षा का इलाज दोबारा शुरू हुआ। उसे बाल्को मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया, जहाँ उसने 7 खुराक कीमोथेरेपी पूरी की। दर्द और तकलीफके बावजूद, उसकी मासूम आँखों में जिंदा रहने की चमक बनी रही। धीरे-धीरे उसकी हालत सुधरने लगी, और हर गुजरते दिन के साथ वह इस जानलेवा बीमारी पर विजय पाने की ओर बढ़ती गई। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भी कारगर साबित हुई। सितंबर 2024 में, जब उसने अपनी आखिरी कीमोथेरेपी पूरी की, तो यह सिर्फ एक इलाज का अंत नहीं था, बल्कि एक नई जिंदगी की शुरुआत थी। अब वह सिर्फ दवाइयाँ ले रही है, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ महसूस कर रही है। अभी कु. अपेक्षा कक्षा दूसरी में अध्ययनरत् है। उसकी हँसी अब दर्द से भरी नहीं, बल्कि जज़्बे और हिम्मत की कहानी बयां करती है। अपेक्षा सिर्फ एक कैंसर सर्वाइवर नहीं, बल्कि साहस और उम्मीद की मिसाल है।

शीशल कला को बस्तर अंचल के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचा रही शोभा बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर अंचल विभिन्न शिल्प कलाओं के लिए प्रसिद्ध है जहां काष्ठ कला, टेराकोटा, बेलमेटल, लौह शिल्प इत्यादि के विख्यात शिल्पकार अपनी अमिट पहचान स्थापित कर चुके हैं। इसी क्रम में बस्तर जिले के विकासखण्ड बस्तर के परचनपाल निवासी शोभा बघेल शीशल कला की हुनर को एक नई दिशा देने में जुटी हुई हैं। शोभा जहां स्वयं शीशल रस्सी से डायनिंग मेट, पी-कोस्टर, नाव, झूमर, गुड़िया, बास्केट, साईड पर्स, झूला, दिवाल इंजिन, लेटर होल्डर आदि कलात्मक वस्तुएं तैयार कर विक्रय कर रही हैं। वहीं विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों को शीशल कला का प्रशिक्षण देकर उन्हें हुनरमंद बना रही हैं। शोभा अपनी कलात्मक वस्तुओं को शबरी एम्पोरियम सहित बिहान मड़ई, शिल्प महोत्सव, बस्तर मड़ई, चित्रकोट महोत्सव, स्थानीय बाजार, आमचो बस्तर बाजार, राज्य के आधुनिक मॉल तथा अन्य प्रदेशों के प्रदर्शनी, सरस मेला जैसे आयोजनों में विक्रय कर हर महीने 20 से 25 हजार रुपए आय अर्जित कर रही हैं और अपने घर-परिवार को खुशहाल बना चुकी हैं। अपनी छोटी सी लेकिन महत्वपूर्ण आमदनी के जरिए शोभा ने अपने बेटे भगतसिंह बघेल को ग्रेजुएट तक पढ़ाई करवाया है तो बेटी पिंकी बघेल को बीएससी नर्सिंग की शिक्षा दिलवाई हैं। जिससे पिंकी अब जगदलपुर के एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में स्टॉफ नर्स की सेवा देकर घर-परिवार की मदद कर रही हैं। शोभा ने बताया कि वह अपने पति बंशी बघेल के साथ विभिन्न स्थानों में शीशल कला का ट्रेनिंग भी दे रही हैं जगदलपुर, नवोदय विद्यालय जगदलपुर के छात्र-छात्राओं को शीशल कला का प्रशिक्षण प्रदान किया है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

राजधानी में कार से डेढ़ करोड़ बरामद, रूटीन जांच में मिले 500, 200 व 100 रुपए के नोटों के बंडल

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंगलवार देर रात रूटीन जांच के दौरान एक कार से डेढ़ करोड़ से ज्यादा की रकम मिली है। इनोवा कार में एक सिक्रेट चेंबर बना हुआ था जिसमें नोट छिपाकर ले जाया जा रहा था। सूटकेश से पुलिस ने 500, 200 और 100 रुपए के नोटों के बंडल बरामद किए हैं। पुलिस को शक है कि यह रकम हवाला की हो सकती है।

मंगलवार देर रात रूटीन चेकिंग के दौरान आमानाका थाना पुलिस ने एक कार की जांच की। इस दौरान बिहार पासिंग गाड़ी में ढाई-ढाई लाख रुपए के 65 बंडल मिले। कार में 100 और 200 रुपए की गड्डियां भी मिली। पुलस से कार के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि नागपुर के पास इन लोगों ने गाड़ी बदली है। रुपए किसके हैं और कहां ले जारे हैं इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

चलती ट्रेन के सामने गिरा युवक मौके पर हुई मौत

रायपुर। रायपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां एक युवक चलती ट्रेन के सामने गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ट्रेन गुजरते ही युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि युवक अचानक पटरी पर जा गिरा और तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस (जीआरपी) और आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चालक ने की आत्महत्या

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में एक मामला सामने आया है, जहां डायल 112 में तैनात चालक का शव जंगल में पेड़ से झूलता हुआ मिला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच में जुटी हुई है। यह मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेनड्रा खुर्द का है। मृतक की पहचान ललित नारायण सिंह उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो अंबिकापुर शहर के तुरापानी इलाके का निवासी था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृतक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरी की कार के साथ आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायगढ़। तमनार पुलिस ने सावित्री नगर से चोरी की गई मारुति फ्रॉन्क्स कार को रिकॉर्ड 6 घंटे के भीतर बरामद कर लिया और चोरी के मामले का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 11 लाख रुपये की मूल्यवान कार और उसकी चाबी जब्त की। जानकारी के अनुसार यह घटना 9-10 मार्च 2025 की रात की है, जब विनय कुमार सिंह (55 वर्ष), जो टाटा कंसलटेंसी कंपनी में क्वालिटी इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं, ने अपनी मारुति फ्रॉन्क्स कार (क्रमांक बीआर 02 बीओ 9161) को घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह जब वे ड्यूटी पर गए, तो अज्ञात चोर ने उनकी कार चोरी कर ली। इसके बाद उन्होंने थाना तमनार में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दुर्ग में डॉक्टर का घर जलकर खाक, कार सहित पांच गाड़ियां जली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के एक डॉक्टर के घर में भीषण आग लग गई। घटना मंगलवार तड़के 4 से 4:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। आग से घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। घर पर खड़ी कार सहित पांच गाड़ियां खाक हो गई। आग लगने के बाद घर के लोग बाहर निकल गए जिससे उनकी जान बच पाई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। वहीं पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलगांव थाना क्षेत्र में विद्युत नगर निवासी डॉ. पीयूष देवांगन के मकान में मंगलवार तड़के आग लग गई। डॉ. पीयूष देवांगन लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में एमडी मेडिसिन के पद पर कार्यरत है। वहीं पर उनकी पत्नी डॉ. श्रुति देवांगन भी इसी अस्ताल में गायनकोलॉजिस्ट के पद पर पदस्थ है। जिस समय घर पर आग लगी तब डॉक्टर दंपति के अलावा घर पर डॉक्टर के पिता पोषण लाल देवांगन, मां कमला देवांगन व दो साल की बच्ची मृदा सोए हुए थे। आग लगने के बाद जैसे ही इसकी जानकारी हुई सभी बाहर निकले।

आग इतनी तेज थी की देखते ही देखते फैल गई। घर के पोर्च में खड़ी नेक्सॉन कार सहित पांच गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद डॉक्टर ने पुलिस व फायर सर्विस को सूचना दी। कुछ देर में मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली उन्होंने एक दमकल गाड़ी के साथ टीम को भेजा। डॉ पीयुष ने बताया कि आग से घर में खड़ी नई नेक्सॉन कार सहित तीन स्कूटी और एक पल्सर बाइक और चार एसी सहित लगभग 20 लाख रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। डॉक्टर ने इस घटना को साजिश बताया है और इसकी जांच की मांग की है। वहीं पुलगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसपी जितेन्द्र शुक्ला की बड़ी कार्रवाई, प्रधान आरक्षक सहित तीन पुलिस कर्मी सस्पेंड

भिलाई। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने मंगलवार को लापरवाह पुलिस कर्मियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने एसीसीयू के प्रधान आरक्षक व एक आरक्षक तथा जामुल थाने में पदस्थ आरक्षक को सस्पेंड कर दिया है। तीनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ कदाचरण की शिकायत पाई गई। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने एसीसीयू के प्रधान आरक्षक शगीर अहमद खांन व आरक्षक अजय गहलोत तथा जामुल थाने में पदस्थ आरक्षक तरूण देशलहरे को सस्पेंड किया है।

जारी आदेश के अनुसार एसीसीयू के तैनात प्रधान आरक्षक शगीर अहमद खांन एवं आरक्षक अजय गहलोत के द्वारा एनडीपीएस के प्रकरण में गंभीर कदाचरण प्रदर्शित किया गया। इसके कारण इन्हें 11 मार्च 2025 की दोपहर को निलंबित कर रक्षित केन्द्र दुर्ग में सम्बद्ध किया गया। इसी प्रकार आरक्षक तरूण देशलहरे पर 8 मार्च को उतई निवासी प्रार्थिया पायल ने अभद्र व्यवहार कर मारपीट की शिकायत की थी। इस मामले में जामुल थाने में धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस वजह से आरक्षक तरूण देशलहरे को भी निलंबित कर रक्षित केन्द्र से संबंद्ध किया गया। निलंबन अवधि में प्रधान आरक्षक शगीर अहमद खान, आरक्षक अजय गहलोत व आरक्षक तरूण देशलहरे को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

जुआ खेलते 4 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। रूपये पैसे का दांव लगा कर जुआ खेलते 4 आरोपियों को फरसगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम 15000 रुपये समेत जुमला 14 लाख 88 हजार का सामान बरामद किया। पुलिस के अनुसार 11 मार्च को रात्रि में मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पूर्वी बोरगांव में राज कुण्डू के फार्म हाऊस के अन्दर कुछ व्यक्तियों के द्वारा ताश के 52 पत्ते से हारजीत का दांव लगा कर जुआ खेल रहे हैं।

मुखबीर से मिली जानकारी के अनुसार हमराह स्टाफ ने वहां घेराबंदी कर छापामार कार्यवाही की गई। पुलिस ने वहां ताश के 52 पत्तों से जुआ खेल रहे 4 व्यक्तियों को पकड़े जिनका नाम पता पूछने पर अपना नाम राजकुमार कुण्डू उर्फ राज कुण्डू उर्फ राजा, अशोक दास, मुकेश बड़ई, प्रशांत साहा सभी निवासी पूर्वी बोरगांव थाना फरसगांव जिला कोण्डागांव होना बताये। आरोपियों के कब्जे से ताश के 52 पत्ते, एक प्लास्टिक बोरी, 01 नग अधजली मोमबत्त, एक ब्रेजा कार कीमती 12 लाख रुपये, एक नग एक्टीवा स्कूटी कीमती 1 लाख रुपये, 02 नग मोटर सायकल कीमती 01 लाख 40 हजार रुपये, 04 नग मोबाईल कीमती 33 हजार रुपये, नगदी रकम 15000 रुपये, जुमला 14 लाख 88 हजार बरामद हुआ। आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिशेध) अधिनियम 2022 की धारा 4 (क) के अन्तर्गत पाये जाने से मौके पर 11 मार्च को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर प्रशासन का कड़ा शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार, बेमेतरा जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा होली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए मिठाई दुकानों, होटलों, किराना दुकानों, और खाद्य निर्माता फर्मों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सह अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिलेवासियों को सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।

जिला अंतर्गत विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाइयों और खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए गए हैं। इसमें मेसर्स जय भगवती जोधपुर स्वीट्स एंड नमकीन से कलाकंद और मिल्क केक, मेसर्स निर्मल स्वीट्स से खोवा पेड़ा, मेसर्स कृष्णा डेयरी से पनीर और खोवा, नांदघाट स्थित मेसर्स माँ परमेश्वरी स्वीट्स से कलाकंद और बर्फी, तथा मेसर्स स्वर्णा किराना से सूजी और गुड़ के नमूने जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य परिक्षण प्रयोगशाला में जांच उपरांत यदि कोई नमूना अमानक पाया जाता है, तो संबंधित फर्म संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन पर हाल ही में जिले में 07 प्रकरणों में 17 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखें और अमानक या मिलावटी खाद्य पदार्थों का विक्रय न करें। मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, जिलेवासियों से अपील की जा रही है कि वे खाद्य कारोबारियों से खाद्य पदार्थों की निर्माण तिथि, बेस्ट बिफोर और एक्सपायरी डेट की जांच कर ही उन खाद्य पदार्थों का उपभोग सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू कुर्रे और कमल प्रसाद, नमूना सहायक की टीम द्वारा लगातार खाद्य पदार्थो का परीक्षण किया जा रहा है। होली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के समय मिलावटी खाद्य पदार्थों से बचाव के लिए यह कार्रवाई की जा रही है ताकि जन सामान्य को सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त मिठाइयां और खाद्य सामग्री प्राप्त हो सके।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। नाबालिग पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर लगातार बलात्कार करने वाले आरोपी को बयानार पुलिस ने 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार किया। नाबालिग पीड़िता ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। पुलिस के अनुसार प्रार्थिया पीड़िता ने थाना आकर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि बयानार निवासी पुनम मानिकपुरी ने जुलाई सन 2023 से मार्च 2024 तक पीड़िता के साथ डरा धमका कर जबरन अपने घर में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया जिससे पीड़िता गर्भवती हुई और एक पुत्र को जन्म दी है। पुनम मानिकपुरी बच्चे को अपनाने पीड़िता को शादी करने से इंकार कर रहा है। पीड़िता जुलाई 2023 में अपने रिश्तेदार के घर बयानार में कक्षा 11वीं की पढ़ाई करने आई थी, उस समय पीड़िता के चाचा का दोस्त पुनम मानिकपुरी पीड़िता के चाचा के पास घर में आना जाना करता था, उस बीच पुनम मानिकपुरी से पीड़िता का परिचय हुआ बातचीत करता था।

तब पुनम मानिकपुरी निवासी बयानार ने पीड़िता को जबरदस्ती अपने घर बयानार ले जाकर पहली बार नाबालिग जानते हुये जबरन शारीरिक संबंध बनाया था। पीड़िता के मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता गर्भवती हो गई। गर्भवती होने से उस संबंध में आरोपी पुनम मानिकपुरी को पीड़िता बताई तो उस समय पीड़िता और बच्चे को रखूंगा बोला था, अब पुनम मानिकपुरी पीड़िता और पीड़िता के पुत्र को अपनाने व उसे शादी करने से इंकार कर रहा है। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना बयानार में अप क0 01/2025 धारा 366, 376, (2.) (ढ.) 506 भादवि. 06 पाक्सो एक्ट अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव येदुवल्ली अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, रूपेश कुमार डाण्डे (ऑप्स) के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मर्दापाल सतीश कुमार भार्गव (ऑप्स) के पर्यवेक्षण में विवेचना के दौरान पुनम मानिकपुरी निवासी बयानार कोण्डागांव को 11 मार्च को गिरफ्तार किया, जिसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

अवैध शराब बिक्री के लिए परिवहन कर रहे दो आरोपी हुए गिरफ्तार

धमतरी। थाना कुरूद को मुखबिर से सूचना मिली की दो व्यक्ति एक काले रंग के होंडा साईन मो0सा0 में एक नीले रंग की राजश्री का बैग के अंदर में अवैध रूप से शराब रखकर नारी रोड की ओर जा रहे है। सूचना पर हमराह स्टॉफ के अमृत राईस मिल के सामने नारी रोड कुरूद के पास जाकर घेराबंदी कर एक काले रंग के होंडा साईन मो0सा0 क्र0 सीजी 07 बी.एफ 2259 में दो व्यक्ति को पकडकर उनका नाम पता पूछने पर चालक ने अपना नाम भीषम साहू पिता स्व.रेख राम साहू उम्र 21 वर्ष एवं नरेश साहू पिता कोमल साहू उम्र 20 वर्ष दोनों भरदा का रहने वाले बताये, मो0सा0 के बीच में रखे नीले रंग के राजश्री बैग के अंदर तलाशी लेने पर थैला के अंदर 90 पौवा देशी प्लेन शराब सीलबंद देशी प्लेन शराब प्रत्येक में 180-180 एम.एल.भरी हुई कुल 16.200 बल्क लीटर कीमती 8,100 रुपये एवं होंडा साईन मो0सा0 क्र0 सीजी 07 बी.एफ2259 काले रंग की कीमती 20,000 रुपये कुल 28,100 रुपये को समक्ष गवाहों के जप्त कर आरोपीगण के विरूद्ध थाना कुरुद में अप0 क्र0-72/25 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीगण भीषम साहू पिता स्व.रेख राम साहू उम्र 21 वर्ष एवं नरेश साहू पिता कोमल साहू उम्र 20 वर्ष दोनों साकीन भरदा, थाना कुरूद को गिरफ्तार न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

अवैध उत्खनन पर कड़ी कार्रवाई, छत्तीसगढ़ के इस जिले में कलेक्टर ने वसूला एक लाख से ज्यादा का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से खनिज अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। सूरजपुर जिले में कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा उत्खनन वाले ईलाकों में सतत् निगरानी की जा रही है। विशेष रूप से पुल-पुलिया व एनीकट के आसपास अवैध खनिज उत्खनन पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। खनिज विभाग की टीम ने रामानुजनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनेश्वरपुर एवं पवनपुर में अवैध रूप से खनिज मिट्टी के उत्खनन के दो मामलों में कार्यवाही करते हुए 1,23,450 रुपये का अर्थदंड वसूला।

इसी क्रम में, 06 मार्च को वाहनों की जांच के दौरान प्रेमनगर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम ब्रम्हपुर में खनिज मिट्टी के एक मामले में 14,596 रुपये तथा 07 मार्च को ग्राम नमदगिरी एवं छठ घाट सूरजपुर में खनिज ईंट के अवैध परिवहन के दो मामलों में 27,350 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। इन तीनों मामलों में कुल 41,946 रुपये का जुर्माना वसूल कर खनिज मद में जमा कराया गया।

इसके अलावा, रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत नकना में अवैध रूप से खनिज मिट्टी का उत्खनन कर ईंट निर्माण का मामला पकड़ा गया। इस मामले में टीपनारायण साहू, श्री ठाकुरदयाल साहू, प्रवीण साहू एवं प्रमोद कुमार राजवाड़े के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर भट्ठे को जब्त कर लिया गया है। साथ ही, मौके पर ईंट पकाने के लिए डंप किए गए खनिज कोयले के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

रायपुर नगर निगम की पुरानी इमारत में लगी आग, मालवीय रोड में मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के मालवीय रोड स्थित पुरानी नगर निगम बिल्डिंग में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना गोलबाजार थाना क्षेत्र में हुई, जिससे बाजार में मौजूद दुकानदार और स्थानीय लोग काफी परेशान हो गए।

आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ज़मीन पर फेंके गए कचरे में आग लगी हो, जो तेज हवा और गर्मी के कारण फैल गई। आग लगते ही फायर ब्रिगेड की टीम को सूचित किया गया, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई।

बिल्डिंग के चारों ओर दुकान होने के कारण आग के और फैलने की आशंका थी, लेकिन दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ा नुकसान टल गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में जनजाति सलाहकार परिषद की पहली बैठक, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की पुनर्गठन पश्चात पहली बैठक विधानसभा परिसर स्थित समिति कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण, शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक उन्नयन, प्रशासनिक सुधार और संस्कृति संरक्षण से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कैबिनेट मंत्री एवं जनजाति सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष रामविचार नेताम सहित प्रदेश के वरिष्ठ मंत्रीगण, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी एवं परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परिषद की पहली बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजाति समुदाय की जनसंख्या 32त्न है, और उनका समग्र विकास हमारे राज्य की प्राथमिकता है। यह परिषद केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि नीति-निर्माण और निर्णय-क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण संवैधानिक इकाई है।उन्होंने बैठक में रखे गए सभी बहुमूल्य सुझावों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और अधिकारियों से कहा कि जनजातीय समुदाय के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी त्रुटियों के निवारण हेतु विस्तृत अध्ययन कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनजातीय आस्था स्थलों के संरक्षण एवं विकास हेतु देवगुड़ी के साथ-साथ सरना स्थलों को भी शामिल करने की व्यवस्था की जाए। शिक्षा में सुधार हेतु आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक स्कूलों की समस्या को शीघ्रता से हल किया जाए। जनजातीय समुदाय की आर्थिक सशक्तिकरण योजनाओं पर प्रभावी अमल किया जाए, जिससे उनकी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो।

कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद, सरकार और जनजातीय समाज के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। हम सभी सदस्य प्रदेश के एक-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम शासन की योजनाओं को प्रभावी रूप से समुदाय तक पहुँचाएँ।उन्होंने परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों को नीति-निर्माण में प्रभावी रूप से शामिल करने का आश्वासन दिया।

बैठक में सभी उपस्थित सदस्यों ने जनजातीय समुदाय की शिक्षा, आजीविका, सामाजिक-आर्थिक विकास और प्रशासनिक सुधार को लेकर ठोस सुझाव दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी प्रस्तावों पर त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए एवं अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि नीतिगत सुधारों का वास्तविक लाभ जनजातीय समुदाय तक पहुँचे। यह बैठक जनजातीय समाज के विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

बैठक में परिषद के सदस्यों ने जनजातीय समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए, जिनमें जनजातीय बालिकाओं के लिए छात्रावासों की संख्या एवं सुविधाओं में वृद्धि, जनजातीय बहुल क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं भर्ती प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना, स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता एवं जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, आदिवासियों की पारंपरिक आजीविका को सशक्त करने हेतु विशेष योजनाएँ लागू करना,जनजातीय कला, संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष योजनाएँ लागू करना शामिल है।

बैठक में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर प्रेजेंटेशन दिया और परिषद के समक्ष विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक लता उसेण्डी, शंकुतला सिंह पोर्ते, उद्देश्वरी पैंकरा, रायमुनी भगत, गोमती साय, विधायक रामकुमार टोप्पो, प्रणव कुमार मरपच्ची, विक्रम उसेण्डी, आशाराम नेताम, नीलकंठ टेकाम, विनायक गोयल, चैतराम अटामी सहित मनोनित सदस्य रघुराज सिंह उईके एवं कृष्ण कुमार वैष्णव उपस्थित थे। बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पंचायत विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया , सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, आयुक्त पदुम सिंह एल्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

शंखनाद महासत्संग : सीएम साय हुए शामिल, श्रीश्री रविशंकर व उनके संस्थान के कार्यों को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगलवार को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में श्रीश्री रविशंकर के शंखनाद महासत्संग कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने श्रीश्री रविशंकर जी से प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर श्रीश्री रविशंकर ने नक्सलवाद से प्रभावित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप विकास की मुख्य धारा में आएं, हम आपके साथ खड़े हैं, हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को उत्तम और भारत को श्रेष्ठ बनाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि श्रीश्री रविशंकर परोपकार और मानवता की सेवा का ऐसा कार्य कर रहे हैं, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने श्रीश्री रविशंकर महाराज का प्रदेश की जनता की ओर से छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनका संस्थान योग, ध्यान और मानवता के कल्याण का अच्छा कार्य कर रहा है। सुदर्शन क्रिया के माध्यम से देश दुनिया में करोड़ों निराश लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है।

आर्ट ऑफ लिविंग से लौटा मेडिटेशन

सीएम साय ने कहा कि ध्यान और मेडिटेशन को हम भूलते जा रहे थे। आर्ट ऑफलिविंग के माध्यम से फिर से इसे स्थापित किया जा है। उन्होंने बताया कि आज छत्तीसगढ़ राज्य और आर्ट ऑफलिविंग के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसके तहत प्रदेश के गांव-गांव में जल संरक्षण, कृषि संवर्धन, शिक्षा, आजीविका ङ्क रोजगार, महिला सशक्तिकरण और नशा मुक्ति के कार्य उनकी संस्था द्वारा किया जाएगा। नया रायपुर में आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है।

आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शिलान्यास

श्रीश्री रविशंकर और मुख्यमंत्री साय ने आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शिलान्यास किया। यह केंद्र योग, ध्यान, कौशल विकास, आत्म विकास और सामुदायिक विकास को समर्पित रहेगा। यह महा सत्संग ज्ञान, ध्यान और सनातन संस्कृति का अनूठा संगम रहा है। आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर महाराज ने आर्ट ऑफ लिविंग के सिद्धांतों की सारगर्भित जानकारी अपने संबोधन में दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को ध्यान कराया। ध्यान के दौरान हजारों श्रद्धालुओं द्वारा उच्चारित ? ध्वनि से रायपुर का साइंस कॉलेज मैदान तरंगित हो उठा।

हमारे जीवन में शांति और समृद्धि आवश्यकः श्रीश्री रविशंकर

श्रीश्री रविशंकर ने नक्सलवाद से प्रभावित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप विकास की मुख्य धारा में आएं, हम आपके साथ खड़े हैं, हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को उत्तम और भारत को श्रेष्ठ बनाएंगे। जहां सभी के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो। गरीबों के उत्थान के कार्यों हों। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में शांति और समृद्धि आवश्यक है। जब शांति होगी तो समृद्धि आएगी। आप जब हमारे साथ आएंगे तो आपको भी समता ,समृद्धि और न्याय मिलेगा। बंदूक से कोई काम नहीं बनता। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यहां प्राकृतिक सौंदर्य है। विविध फ्ल फूल और प्राकृतिक संपदा भरपूर है। यह प्रदेश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बन सकता है। अब यह समय आ गया है कि हम सभी मिलकर प्रदेश को उत्तम और भारत को श्रेष्ठ बनने के लिए काम करें ।

हमारे जीवन में शक्ति, भक्ति, युक्ति और मुक्ति होनी चाहिए

आर्ट ऑफलिविंग के संबंध में उन्होंने बताया कि हमारे जीवन में शक्ति, भक्ति, युक्ति और मुक्ति होनी चाहिए। विपरीत और अनुकूल परिस्थितियों में मन का समभाव बना रहे । जो जैसा है उसे वैसा ही स्वीकार करें। दूसरों के विचारों को प्रेरणा लें, लेकिन उनसे पूरी तरह प्रभावित न हो और वर्तमान में जिएं। हमारे जीवन में प्रेम हो, प्रेम का अर्थ है कि कोई हमारे लिए गैर नहीं है । उन्होंने लोगों से गुरु दक्षिणा मांगते हुए कहा कि यहां आए सभी लोग अपनी परेशानी, दुख ङ्क दर्द यहां छोड़ कर जाएं, यही मेरी गुरु दक्षिणा है। ईश्वर पर भरोसा रखें। कार्यक्रम के अंत में भजन की धुन पर पूरा मैदान झूम उठा। श्रीश्री रविशंकर रैंप पर चलकर लोगों के पास पहुंचे और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी, विधायक किरण सिंहदेव, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में आध्यात्मिक गुरु एवं द आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए श्री श्री रविशंकर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीकस्वरूप, जशपुर जिले में स्थित विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग - मधेश्वर पहाड़ का छायाचित्र एवं बस्तर आर्ट शैली में निर्मित नंदी की प्रतिकृति भेंट कर श्री श्री रविशंकर का अभिनंदन किया। श्री श्री रविशंकर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि इस बार वे अपने साथ 1000 वर्ष पुराने सोमनाथ मंदिर के खंडित शिवलिंग के अवशेष लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक शिवलिंग के अवशेष को सदियों से एक अग्निहोत्री परिवार द्वारा सुरक्षित रखा गया था। अब वे इसे पूरे देश में दर्शनार्थ श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का पावन कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित उपस्थित गणमान्य लोगों ने खंडित शिवलिंग के दर्शन किए और आस्था प्रकट की। पूर्व में केबिनेट में लिए गए निर्णय अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और श्री श्री रविशंकर के मध्य छत्तीसगढ़ सरकार एवं व्यक्ति विकास केंद्र इंडिया (द आर्ट ऑफ लिविंग) के बीच हुए एमओयू को लेकर भी चर्चा हुई।

एमओयू का उद्देश्य आजीविका सृजन और ग्रामीण छत्तीसगढ़ के समग्र कल्याण सहित ग्रामीण विकास के विविध पहलुओं से जुड़ा है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दोनों पक्षों ने विचार-विमर्श किया।

मंत्री लखनलाल देवांगन के विभागों के लिए 965 करोड़ 18 लाख रुपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के लिए 709 करोड़ 87 लाख रूपए और श्रम विभाग के लिए 255 करोड़ 31 लाख 9 हजार रूपए की अनुदान मांगें पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा में आज वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 965 करोड़ 18 लाख रूपए की अनुदान मांगे पारित की गई। इसमें वाणिज्य एवं उद्योग विभाग से संबंधित व्यय के लिए 709 करोड़ 87 लाख रूपए तथा श्रम विभाग के लिए 255 करोड़ 31 लाख 9 हजार रूपए शामिल हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री लखनलाल देवांगन ने सदन में कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा 01 नवंबर 2024 से औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू की गयी है। इसका मूल विषय अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन-2047 रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी राज्य ने अपनी नीति को विकास का आधार बनाकर रोजगार प्रदान करने पर जोर दिया है। इसके लिए श्रम-प्रधान उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है, जो अधिकतम रोजगार प्रदान करने में सक्षम हैं। विशेषकर, जो इकाइयाँ 1000 से अधिक रोजगार सृजित करेंगी, उन्हें मंत्रिमंडलीय उपसमिति द्वारा अनुमोदित अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इकाईयों के द्वारा दिव्यांगजन, सेवानिवृत्त अग्निवीर या आत्मसमर्पित नक्सली को रोजगार दिये जाने पर इस विषय पर विशेष अनुदान प्रदान किया जायेगा।

मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि स्थानीय श्रमिकों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए प्रशिक्षण प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। उद्योगों में नियोजित राज्य के निवासियों के प्रशिक्षण पर प्रति व्यक्ति

15 हजार रूपए की प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति एवं कर्मचारियों पर होने वाले ईपीएफव्यय की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। राज्य में पूंजी निवेश को आकर्षित करने के लिए औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत स्थापित होने वाले औद्योगिक इकाइयों को ब्याज अनुदान, स्थायी पूंजी निवेश अनुदान, मार्जिन मनी अनुदान, गुणवत्ता प्रमाणीकरण अनुदान जैसे विभिन्न अनुदान एवं छूट प्रदान किए जाएंगे। नई औद्योगिक नीति में भूमि, भवन एवं बैंक ऋण पर स्टाम्प शुल्क भुगतान से पूर्ण छूट एवं 06 वर्ष से 10 वर्ष तक विद्युत शुल्क से पूर्ण छूट का प्रावधान किया गया है। इसमें कई सेवाओं के लिए प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए स्व-घोषणा को मान्य किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया और भी सरल हो गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि वर्तमान में राज्य में 34 औद्योगिक क्षेत्रो/पार्को की स्थापना की जा चुकी है एवं आने वाले समय में 4 नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। राज्य के विभिन्न जिलो में नवीन फूड पार्क, रायपुर जिले में जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क और प्लास्टिक पार्क, नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क एवं जांजगीर-चांपा जिले में स्मार्ट इण्डस्ट्रियल पार्क की स्थापना की जाएगी। राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैण्ड-अप इंण्डिया योजना एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। औद्योगिक नीति 2024-30 में युवाओं के लिये एक नई योजना छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना का प्रावधान किया गया है, जिसमें ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि राज्य की औद्योगिक इकाईयों के अनुदान/छूट संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए सिंगल विण्डो सिस्टम की व्यवस्था की गयी है, जिसमें प्रकरणों का समयावधि में निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में बिना ठोस तैयारी के उद्योगों के साथ एम.ओ.यू. कर दिये जाते थे, जिससे राज्य को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता था। हमारी सरकार एम.ओ.यू. के स्थान पर इन्वीटेशन टू इन्वेस्ट जारी कर रही है। यह उन निवेशकों को दिया जाता है जो निवेशक हमारी औद्योगिक नीति एवं अनुदान प्रोत्साहन से प्रभावित होकर राज्य में निवेश करने की अभिरूचि लिखित में प्रस्तुत करते हैं। इन्वीटेशन टू इन्वेस्ट केवल एम.ओ.यू. का विकल्प पत्र नहीं है, बल्कि यह विस्तृत चर्चा उपरांत निवेशकों को दिया जाने वाला विश्वास पत्र है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास नीति लागू होने के मात्र 125 दिनों में राज्य को 1 लाख करोड़ रूपए से अधिक के कुल 31 प्रस्ताव निवेश के लिए प्राप्त हो चुके हैं।

मंत्री देवांगन ने बताया कि पोलीमेटेड इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड ने राज्य में 1143 करोड़ रूपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है। नवा रायपुर में इसका प्लांट बनने जा रहा है। इसी तरह यस फैन एण्ड एप्लाईन्सेस और रेक बैंक डाटा सेंटर ने भी नवा रायपुर में उद्योग लगाने के लिए जमीन का चयन कर लिया है। अब्रेल ग्रीन एनर्जी ने मुंगेली में सोलर पावर के लिए भूमि का चयन किया है। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इसे उद्योग का दर्जा देते हुए विभिन्न अनुदानों एवं छूटों का प्रावधान किया गया है। नये बजट में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स के लिए नया रायपुर में कार्यालय निर्माण हेतु 5 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान के साथ ही रियायती दर पर भूमि आवंटन का प्रावधान किया गया है। इससे व्यापारिक संगठनों को एक मजबूत मंच मिलेगा और वे राज्य में औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। नये बजट में राज्य के 06 जिलों राजनांदगांव, जगदलपुर, कोंडागांव, बालोद, महासमुंद एवं बिलासपुर में नवीन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कार्यालयों के भवन निर्माण के लिए 15.60 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। इससे प्रशासनिक कार्यों में दक्षता आएगी और उद्यमियों को सरकार की योजनाओं एवं नीतियों का त्वरित लाभ मिलेगा।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा संगठित/असंगठित/निर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के कार्य किए जाते हैं। विभाग द्वारा श्रमिकों की कार्यदशा, सेवा शर्तों एवं कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं औद्योगिक शांति स्थापित करने के लिए विभिन्न श्रम कानूनों का प्रवर्तन सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना प्रदेश के सभी जिलों में प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी। विभाग द्वारा गत वर्ष 06 जिलों में 16 और इस वर्ष 13 जिलों में 31 भोजन केन्द्र प्रारंभ किये जा चुके हैं। आगामी वर्ष 2025-26 में राज्य के सभी जिलों में इसका विस्तार किया जाएगा। श्रम विभाग के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 255 करोड़ 31 लाख 9 हजार रूपए का प्रावधान किया गया है।

मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि आगामी वर्ष के बजट में श्रमायुक्त संगठन के लिए 29 करोड़ 40 लाख 94 हजार रूपए, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के लिए 125 करोड़ 10 लाख रूपए, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के लिए 6 करोड़ 24 लाख 25 हजार रूपए, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए 6 करोड़ 24 लाख 25 हजार, औद्योगिक हाइजिन प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 01 करोड़ 51 लाख 40 हजार रूपए, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं के लिए 64 करोड़ 18 लाख 65 हजार रूपए तथा औद्योगिक न्यायालय के लिए 22 करोड़ 85 लाख 95 हजार रूपए का प्रावधान किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग तथा श्रम विभाग से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा में विधायकगण सर्वश्री दलेश्वर साहू, राजेश मूणत, कुंवर सिंह निषाद, प्रबोध मिंज, सुशांत शुक्ला, देवेन्द्र यादव, अजय चंद्राकर, व्यास कश्यप और राघवेन्द्र कुमार सिंह ने भाग लिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950